www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुश्किलों से कह दो उलझा
ना करे हमसे
हमें हर हाल में जीने का हुनर
आता है

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-45 ❖ मुंबई ❖ रविवार 01 से 07 नवंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
सभी के लिए लोकल ट्रेन चलाने पर मंथन जारी, सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार रखना बड़ी चुनौती

पेज 5
इंदिरा की पुण्यतिथि पर दिग्विजय को प्रियंका में दिखी उनकी झलक, लोग बोले- आज तो रहने देते!

पेज 7
शिल्पा शिंदे 'बिग बॉस' के घर में नहीं आएंगी नजर, बोलीं- मूव ऑन कर चुकी हूं

पेज 8
जो प्राप्त है, सो पर्याप्त है -पूज्य मोरारी बापू

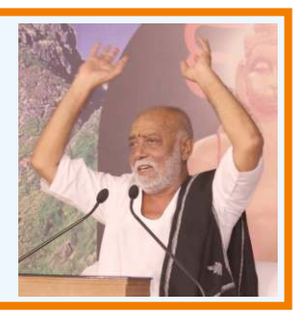

भूकंप के भीषण झटके से हिला तुर्की

इज़मिर शहर में कई इमारतें ज़मींदोज़

"एक शक्तिशाली भूकंप के कारण तुर्की के शहर इज़मिर में कई इमारतों के ज़मींदोज़ होने की ख़बरें मिल रही है. इज़मिर तुर्की की तीसरा सबसे बड़ा शहर है."

तुर्की में आए भूकंप और सुनामी ने भयानक तबाही मचाई। शुरुआती खबरों में तुर्की में इस भूकंप के कारण छह लोगों के मारे जाने की खबर है। पड़ोसी ग्रीस में भी इस भूकंप का असर हुआ है। हालांकि वहां से खबर लिखे जाने तक किसी की मौत की सूचना नहीं है। राहत और बचाव कार्य में दोनों देशों की कई एजेंसियां सक्रिय हैं। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता ७ मापी गई है। तुर्की और ग्रीस में भूमध्य सागर के तेल और गैस से भरे इलाकों में कब्जे को लेकर विवाद चरम पर है। दोनों देशों की सेनाएं भूकंप प्रभावित इलाके में महीनों पहले से गश्त कर रही हैं।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र तुर्की और ग्रीस के बीच स्थित एजियन सागर में १६.५ किलोमीटर नीचे था। जमीन से कम गहराई पर इस भूकंप का केंद्र होने के कारण इसके तेज झटके महसूस किए गए हैं। इसी कारण ज्यादातर इमारतों को नुकासन पहुंचा है। कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह बिखरी हुई दिखाई दी। यूरोपीय- मध्यसागर भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि शुरुआत में भूकंप की तीव्रता ६.९ थी और इसका केंद्र यूनान के उत्तर-उत्तरपूर्व में सामोस द्वीप में था। तुर्की की मीडिया में मध्य इजमिर में बहुमंजिला इमारत का मलबा दिखाया गया है।

इसके अलावा बचावकर्मी भी तैनात दिखाई दे रहे हैं। मध्य इजमिर में कई जगह धुंआ उठने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इजमिर के गर्वनर ने कहा है कि अबतक चार लोगों के मौत की खबर है, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप एजियन और मरमरा दोनों क्षेत्रों में महसूस किया गया है, जहां इस्तांबुल स्थित है। इस्तांबुल के गर्वनर ने कहा कि नुकसान के बारे में कोई खबर नहीं मिली है। तुर्की के आंतरिक मंत्री सुलेमान सोयलू ने बताया कि इस भूकंप के कारण बोर्नोवा और बेराकली में भी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य के लिए कई टीमें अगल-अलग शहरों में काम कर रही हैं। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने ट्वीट कर लिखा कि गेट वेल सून इजमिर। हम राज्य के सभी संसाधनों के साथ भूकंप प्रभावित अपने नागरिकों के साथ खड़े हैं। हमने अपने सभी संबंधित संस्थानों और मंत्रियों के साथ इस क्षेत्र में आवश्यक कार्य शुरू कर दिया है। भूकंप के झटके ग्रीस (पूर्वी यूनान के प्रायद्वीपों) में भी

महसूस किए गए। इसके अलावा राजधानी एथेंस में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। यूनान की मीडिया ने कहा कि भूकंप के दौरान सामोस और अन्य प्रायद्वीपों के निवासी अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर भागे। इसके अलावा चट्टान गिरने की खबर भी मिली है। हताहतों को लेकर तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो जारी कर यूजर तुर्की के पश्चिमी शहर में भूकंप के बाद सुनामी की लहरें आने का दावा कर रहे हैं। हालांकि, इन वीडियोज के सत्यता की पुष्टि नहीं हो पाई है।

पढ़रपुर से मुंबई तक आक्रोश मोर्चा निकालेगा मराठा समाज

मुंबई। आरक्षण की मांग को लेकर मराठा समाज एक बार आक्रामक हो गया है। मराठा क्रांति ठोक मोर्चा की ओर से पंढरपुर से मुंबई तक पैदल आक्रोश मोर्चा निकाला जाएगा। शुक्रवार को मराठा ठोक मोर्चा के निमंत्रक महेश डोंगरे ने यह घोषणा की। मुंबई मराठी पत्रकार संघ में पत्रकारों से बातचीत में डोंगरे ने कहा कि 7 नवंबर को पंढरपुर से पैदल आक्रोश मोर्चे की शुरुआत होगी। यह मोर्चा 21 वें दिन मंत्रालय पहुंचेगा।

मराठा आरक्षण को लेकर फिर से तेज हो रही मांग

उन्होंने कहा कि आक्रोश मोर्चा में पूरे प्रदेश के मराठा समाज के लोग शामिल होंगे। इसके अलावा मराठा आरक्षण के लिए जान गंवाने वाले 42 लोगों के परिवारों के सदस्य भी हिस्सा लेंगे। आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन के कारण जिन 13 हजार 700 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया वे सभी लोग मोर्चे में आएंगे। डोंगरे ने बताया कि यह मोर्चा पंढरपुर, अकलूज, बारामती, जेजुरी, सासवड, पुणे, पनवले मार्ग से होते हुए मुंबई पहुंचेगा।

राज्यपाल से मुलाकात कर राज ठाकरे ने किया महाराष्ट्र का अपमान संजय राउत का राज पर निशाना

मुंबई, राज्यपाल के पास किसी भी प्रकार के कार्यकारी अधिकार नहीं होते हैं यह सबको मालूम है बावजूद इसके कुछ लोग राज्यपाल से जाकर मुलाकात करते हैं। यह खुले तौर पर महाराष्ट्र का अपमान है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के मुखिया राज ठाकरे ने हाल ही में राज्यपाल से मुलाकात की थी। जिसके बाद संजय राउत ने यह बयान दिया है।

मुख्यमंत्री के पास हैं अधिकार

पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कई मुद्दों पर बात की जिसमें से एक मुद्दा यह भी था। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हैं जिन्हें जनता ने चुना है। जिनके पास राज्य के फैसले लेने का अधिकार है। बावजूद इसके कुछ लोग मुख्यमंत्री से ना मिलते हुए सीधा राज्यपाल से मुलाकात करते हैं। जिनके पास कोई भी कार्यकारी अधिकार नहीं है। यह एक तरह से महाराष्ट्र का अपमान है।

राज्यपाल भी शरद पवार को नेता मानते हैं

राज्यपाल ने राज ठाकरे को शरद पवार से मुलाकात करने की सलाह दी थी। इस पर संजय राउत ने कहा कि यह खुशी की बात है कि राज्यपाल भी शरद पवार को नेता मानते हैं। मैं शरद पवार से मिलकर उन्हें राज्यपाल के मार्गदर्शन के लिए कहूंगा। हाल ही में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से राज ठाकरे ने मुलाकात कर बिजली के बढ़े हुए बिल और दूध के दाम निश्चित करने के लिए निवेदन दिया था। तब राज्यपाल ने राज को शरद पवार से मिलने के लिए कहा था।

सरकार गिरने के कयास

राउत ने कहा कि कई राजनीतिक दलों ने सरकार गिरने की कई बार भविष्यवाणियां की लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होगा। यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। जब राज्य में युति की सरकार थी तब भी आरोप लगते थे कि बाला साहब सरकार चलाते हैं। अब महाविकास अघाडी की सरकार है तो लोग यह कहते हैं कि शरद पवार साहब सरकार चला रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ मोदी जी भी इस दूसरे राज्यों की सरकार को सलाह देते हैं। ऐसे में अगर हम शरद पवार से सलाह लेते हैं तो किसी के पेट मे दर्द क्यों हो रहा है।

विदेशी प्याज के आने से देसी प्याज की कीमतों में आई कमी, अब इतना रेट

नवी मुंबई, महाराष्ट्र में इस साल भारी बरसात की वजह से प्याज की फसल काफी हद तक नष्ट हो गई। इसके अलावा जमाखोरी भी एक कारण है, जिससे अचानक प्याज के दाम आसमान छूने लगे और आम लोगों का बजट गड़बड़ा गया। प्याज के बढ़ते भाव को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने विदेश से प्याज का आयात बढ़ा दिया। विदेशी प्याज के आने से देसी प्याज की कीमतों में गिरावट आ गई है। इससे जमाखोरों की नींद हराम हो गई है। वर्तमान में एपीएमसी थोकमंडी में ईरान-इराक के अलावाअफगानिस्तान से प्याज की आवक हो रही है। 80 से 90 रुपये किलो तक प्याज का भाव पहुंच गया था, लेकिन विदेशी प्याज की आवक होने के बाद थोकमंडी में घरेलू प्याज की कीमत 50 से 60 रुपये किलो रह गई है। नासिक के पिंपलगांव में प्याज व्यापारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, किसानों की मुश्किलें बढ़ीं देसी प्याज के बढ़ते भाव को नियंत्रण में करने और जमाखोरों की कमर तोड़ने के लिए विदेशी प्याज वाशी की थोकमंडी में पहुंच रही है। ईरान और इराक के बाद अब अफगानिस्तान से प्याज भी की आवक शुरू हो गई है। विदेशी प्याज की कीमत 40 से 45 रुपये है, वहीं घरेलू प्याज 50-60 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। प्याज की कमी को पूरा करने के लिए व्यापारियों ने विदेशी प्याज का ऑर्डर देना शुरू कर दिया है। प्याज के दाम से जनता परेशान, अब आई एक और बुरी खबर

हालांकि विदेशों से प्याज का आयात समुद्री मार्ग से किया जाता है और यहां तक पहुंचने में 15 से 18 दिन का समय लग जाता है। इसलिए अगले कुछ दिनों में बड़े पैमाने पर विदेशी प्याज के बाजार में आने की संभावना है। थोकमंडी के व्यापारी मनोहर तोतलानी ने बताया कि विदेशी प्याज के आगमन से देसी प्याज के भाव पर नकेल लग गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले दो सप्ताह तक प्याज की कीमतें बढ़ने की संभावना नहीं है। बाजार में विदेशी प्याज की आवक के साथ-साथ घरेलू प्याज की आवक बढ़कर 70 से 80 गाड़ी पहुंच गई है।

कैबिनेट मंत्री के कार्यक्रम में उड़ी सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

मीरा-भाईंदर, देश भर में कोरोना वायरस का कहर जारी है। पूरे देश में लॉकडाउन अनलॉक जारी है और लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग अपील की जा रही है। इसके बावजूद मीरा-भाईंदर में लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा डालीं। एक तरफ राज्य सरकार नागरिकों से कोरोना की रोकथाम के लिए सोशल-डिस्टेंसिंग नियम का पालन करने की अपील कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ कैबिनेट मंत्री जितेंद्र आव्हाड के कार्यक्रम में सोशल-डिस्टेंसिंग नियम की धज्जियां उड़ती दिखीं। मीरा-भाईंदर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक कार्यकर्ता सम्मेलन में गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष साजिद पटेल, राष्ट्रवादी के मीरा-भाईंदर विधानसभा अध्यक्ष जक्की पटेल और कई अन्य पदाधिकारी बिना मास्क के दिखे। इसके अलावा सभागृह में आने वाले कार्यकर्ताओं के लिए भी किसी प्रकार की सुविधा नहीं थी। अधिकांश लोगों ने मास्क भी नहीं पहना था। मीरा-भाईंदर आयुक्त पक्षपाती कार्रवाई न करें: आव्हाड गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा है कि मीरा-भाईंदर आयुक्त डॉ विजय राठौड़ पक्षपाती कार्रवाई न करें। वे मीरा-भाईंदर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता के सम्मेलन में बोल रहे थे। आव्हाड ने मीरा-भाईंदर में हो रही तोड़क कार्रवाई में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयुक्त एक होटल में हफ्ते में तीन बार तोड़क कार्रवाई करते हैं, वहीं अन्य किसी अवैध निर्माण पर एक बार भी कार्रवाई नहीं होती।

सोशल मीडिया पर मुकेश खन्ना की हुई आलोचना

मुंबई, सुपरहीरो 'शक्तिमान' और टीवी धारावाहिक 'महाभारत' में भीष्म पितामह का किरदार निभाने वाले प्रख्यात अभिनेता मुकेश खन्ना को 'मी टू' मुहिम पर अपनी टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। खन्ना ने अपने बयान में कहा था कि 'मी टू' मुहिम तब शुरू हुई, जब महिलाएं अपने घरों से बाहर निकलीं और कामकाजी हो गईं। उल्लेखनीय है कि 'मी टू' मुहिम 2017 में हॉलीवुड में शुरू हुई थी। दरअसल, मनोरंजन उद्योग की कई महिलाओं ने कई कद्दावर लोगों पर अपना यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। इस मुहिम के जरिये महिलाओं ने कार्यस्थल पर अपनी सुरक्षा की ओर ध्यान आकृष्ट किया। साल भर बाद इस मुहिम ने बॉलीवुड में भी गति पकड़ी, जब अदाकारा तनुश्री दत्ता ने अभिनेता नाना पाटेकर पर अपना यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया।

टेंडर के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला रेल अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई। टेंडर दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी के आरोप में पुलिस की अपराध शाखा ने अनिल अहिरवार नाम के एक रेलवे के अधिकारी को गिरफ्तार किया है। अहिरवार मुंबई के महालक्ष्मी स्थित ईएमयू विभाग में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। पुलिस के मुताबिक अहिरवार ही इस धोखाधड़ी का मुख्य सूत्रधार है। रेलवे के लिए लगने वाले जरूरी सामानों का टेंडर जिस विभाग से निकलता था, अहिरवार उसी में तैनात है। इसलिए उसे टेंडर से जुड़ी प्रक्रिया की पूरी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाते हुए अहिरवार ने नकली दस्तावेज और मोहर तैयार कर फर्जी ऑर्डर निकाला और ठेका देने के नाम पर शिकायतकर्ता को करीब 3 करोड़ रुपए का चूना लगा दिया। अहिरवार को मध्यप्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर भी लोगों से ठगी की है। इसके अलावा बैंगलुर के एक व्यापारी से भी आरोपियों ने डेढ़ करोड़ की ठगी की और वह मामले की शिकायत पुलिस से ना करे, इसलिए पहले ही अदालत में उसके खिलाफ अर्जी दे दी। इसके अलावा मामले में स्वप्निल गोसावी नाम के एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। क्या है मामला एक 31 वर्षीय कारोबारी ने मुंबई पुलिस से शिकायत की थी कि उसे रेलवे का ठेका दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने 2 करोड़ 73 लाख रुपए से ज्यादा ऐंठ लिए। आरोपियों ने खुद कारोबारी से संपर्क किया था और दावा किया था कि वह रेलवे में अपनी पहचान के बल पर उसे दो डिब्बों को जोड़ने के लिए लगने वाले हार्स पाइप का ठेका दिला देंगे और कम दाम में ही हार्सपाइप की व्यवस्था भी कर देंगे। कारोबारी को टेंडर पास होने की जानकारी देकर पर्चेज ऑर्डर भी दिया गया जिसमें रेलवे की मुहर लगी थी। आरोपियों ने पैसे जल्द पास कराने का वादा कर कारोबारी से हार्स पाईप खरीदने के नाम पर पैसे ले लिए। बाद में कारोबारी को पता चला कि उसे दिया गया पर्चेज ऑर्डर और चालान दोनों फर्जी हैं। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

राजकीय चुनाव

इस बार अमेरिका में कोरोना महामारी के दौर में हो रहा यह चुनाव वहां के राष्ट्रीय मसलों के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में अमेरिकी हित सुरक्षित रखने के वादे पर ज्यादा केंद्रित लग रहा है और टकराव के मुद्दे थोड़े ज्यादा तीखे हैं। लेकिन अगर मुद्दों से इतर अभियानों की बात करें तो यह खबर ध्यान खींचती है कि अमेरिका में इस बार का चुनाव अब तक के इतिहास में सबसे खर्चीला साबित होने जा रहा है।",अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अब चंद रोज बचे हैं। लेकिन इस बीच समूची दुनिया के तमाम देशों में अगर अमेरिकी चुनाव को दम साध कर देखा जा रहा है तो यह स्वाभाविक ही है। यों आमतौर पर हर बार का राष्ट्रपति चुनाव बराबर महत्त्व का होता है और प्रत्याशियों का अभियान भी उसी मुताबिक चलता है, लेकिन इस साल कई वजहों से रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी बने डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के बीच की प्रतिद्वंद्विता सुर्खियों में है। इस बार कोरोना महामारी के दौर में हो रहा यह चुनाव वहां के राष्ट्रीय मसलों के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में अमेरिकी हित सुरक्षित रखने के वादे पर ज्यादा केंद्रित लग रहा है और टकराव के मुद्दे थोड़े ज्यादा तीखे हैं। लेकिन अगर मुद्दों से इतर अभियानों की बात करें तो यह खबर ध्यान खींचती है कि अमेरिका में इस बार का चुनाव अब तक के इतिहास में सबसे खर्चीला साबित होने जा रहा है। हालांकि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव परंपरागत रूप से बेहद खर्चीले होते रहे हैं। इस साल अनुमान यह लगाया जा रहा था कि इस बार अमेरिकी चुनावों में ग्यारह बिलियन डॉलर खर्च होगा। लेकिन एक शोध संस्थान द सेंटर फॉर रेस्पॉन्सिव पॉलिटिक्स के आकलन मुताबिक पिछले सभी रिकॉर्डों को ध्वस्त करते हुए 2020 में राष्ट्रपति चुनाव की लागत चौदह बिलियन डॉलर के आसपास हो सकती है। गौरतलब है कि डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने अमेरिका में लोगों से दान प्राप्त करने के मामले में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को काफी पीछे छोड़ दिया है। बाइडेन को इस बार जहां करीब एक अरब डॉलर रकम दान के रूप में प्राप्त हुए, वहीं ट्रंप को लगभग साठ करोड़ डॉलर मिल सके हैं। दरअसल, उम्मीदवारों को आम लोगों से मिले दान के आधार पर उनके समर्थन के आधार का अनुमान भी लगाया जाता है। इस लिहाज से समर्थन जुटाने के मामले में बाइडेन को आगे बताया जा रहा है। अनौपचारिक रूप से अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया निर्धारित तारीख से डेढ़ साल पहले से ही शुरू हो जाती है। काफी लंबी और जटिल प्रकिया के तहत चलने वाले चुनाव में जनता के बीच समर्थन जुटाने के लिए उम्मीदवार जितने बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हैं, उसमें उन्हें स्थानीय कार्यकर्ताओं से लेकर सामग्रियों और जनसंपर्कों तक के मामले में कई स्तरों पर खर्च चुकाने पड़ते हैं। यों किसी भी देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होने वाले चुनावों में ऐसा ही होता है, लेकिन अमेरिका में इसी कसौटी पर खर्च में कई गुना ज्यादा होता है। यह जगजाहिर है कि वैश्विक राजनीति और कूटनीति में अमेरिका की क्या हैसियत है और अक्सर बड़े या अहम मुद्दों पर उसके रुख का क्या महत्त्व है। यह भी सच है कि कई बार अमेरिका बिना जरूरत के भी अन्य देशों के मामलों में मदद के नाम पर दखल देने की कोशिश करता है और उसे नजरअंदाज कर पाना मुश्किल होता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अपनी विदेश नीति के मुताबिक ही अमेरिकी सरकार अपना रुख जाहिर करती है, भले ही किसी भी पार्टी की सरकार हो। बहरहाल, इसी समय उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस के बारे में जिस तरह नस्लीय धारणाओं पर आधारित झूठे प्रचार किए गए हैं, वह अमेरिका के बारे में उस धारणा को तोड़ता है, जिसमें अक्सर नस्लवाद पर आधारित विचारों को खारिज करने का दावा किया जाता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिकी समाज अपनी प्रचारित छवि के मुताबिक ऐसे मसलों पर अपने विवेक से फैसला लेगा।

प्रदूषण के विरुद्ध

संजय शर्मा

पिछले कई सालों से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर के प्रदूषण की समस्या पर लगातार सरकारें चिंता जताती रही हैं, इसे दूर करने के लिए तमाम नियम-कायदे लागू किए जाते रहे, लेकिन हर अगले साल स्थिति बिगड़ती ही गई। खासतौर पर ठंड के कुछ महीनों के दौरान वायु प्रदूषण की वजह से दिल्ली-एनसीआर की स्थिति कैसी हो जाती है, यह किसी से छिपा नहीं है। यह हालत तब है जब प्रदूषण पर काबू पाने के लिए कई अलग-अलग संस्थाएं और एजेंसियां काम कर रही हैं। लेकिन केंद्र सरकार का मानना है कि इस समस्या से निपटने में इन एजेंसियों की भूमिका अपेक्षा के अनुरूप साबित नहीं हो पा रही है, इसलिए अब नई पहलकदमी और प्रदूषण पर काबू पाने के लिए ज्यादा सख्ती की जरूरत है। इसी क्रम में बुधवार को राष्ट्रपति ने दिल्ली-एनसीआर और इससे सटे राज्यों-हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण को रोकने, उपाय सुझाने और उनकी निगरानी के लिए एक आयोग बनाने संबंधी केंद्र सरकार की ओर जारी अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। नया आयोग अब पहले से काम कर रहे पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण की जगह लेगा। इस आयोग के पास प्रदूषण संकट को समाप्त करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने, शिकायतों के आधार

स्वत: संज्ञान लेने, बिजली आपूर्ति रोकने या किसी संस्था या उद्योग पर कार्रवाई करने का अधिकार होगा। अध्यादेश में यह भी प्रावधान किया गया है कि प्रदूषण के लिए दोषी पाए जाने पर पांच साल तक कैद की सजा हो सकती है और उस पर एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। यह आयोग पराली जलाने के मसले के साथ-साथ वाहनों और धूलकणों से होने वाले प्रदूषण और अन्य तमाम कारकों को देखेगा, जिससे कि दिल्ली और एनसीआर में वायु गुणवत्ता खराब होती रही है। यानी कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार इस मसले से निटपने के लिए अब तक काम कर रही तमाम संस्थाओं के काम से संतुष्ट नहीं थी, इसलिए यह नई व्यवस्था की गई है। लेकिन सवाल है कि प्रदूषण नियंत्रण पर केंद्रित कई और अलग-अलग संस्थाएं आखिर किन वजहों से इस समस्या से निपटने में अपेक्षित स्तर पर कामयाब नहीं हो सकीं और क्या नया आयोग उस तरह की बाधाओं से मुक्त होगा! दरअसल, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वायु प्रदूषण के कारण लोग परेशान हैं और इसे रोकने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं। हालांकि किसी अदालत की ओर से इस तरह की यह कोई पहली टिप्पणी नहीं है। बल्कि प्रदूषण की समस्या पर काबू नहीं पाने के कारण अदालतों में बेहद सख्त टिप्पणियां सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद लंबे समय से यह देखा जा रहा है कि हर साल ठंड के मौसम में वायुमंडल के घनीभूत होने के साथ ही प्रदूषण की समस्या गहराने लगती है। पराली और वाहनों के धुएं के अलावा औद्योगिक इकाइयों की वजह से होने वाले प्रदूषण से कैसी समस्या खड़ी हो जाती है, यह जगजाहिर रहा है। इस साल ज्यादा चिंता की बात इसलिए है कि वायु प्रदूषण और हवा में घुलने वाले सूक्ष्म जहरीले तत्त्वों की वजह से सबसे ज्यादा सांस से संबंधित जटिलताएं खड़ी हो सकती हैं और कोरोना वायरस भी सांस और फेफड़े को ही संक्रमित कर सकता है।

बेलगाम न हो कोई कंपनी

जिगर डी वाढेर

यह व्यवसाय का मूल नियम है, ग्राहक जितना बड़ा होगा, उसके साथ व्यवहार उतना ही बेहतर होगा। हर कंपनी और विक्रेता अपने वफादारों व बड़े ग्राहकों का खास ध्यान रखते हैं, सिर्फ इसलिए कि ऐसे ग्राहक कंपनी या कारोबार को मजबूती, निरंतरता और लाभ देते हैं। लेकिन लगता है, इन बातों से भारत और यहां कारोबार कर रही कुछ दिग्गज डिजिटल कंपनियों का कोई सरोकार नहीं है!

आज हम कुछ ठहरते हुए इस बारे में सोचें। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मुक्त बाजार वाला लोकतंत्र है, यह सभी के लिए खुला है। अपनी विशाल आबादी के साथ भारत सबसे बड़ा खुला डिजिटल बाजार बन गया है। यहां करोड़ों लोग डिजिटल बाजार में सक्रिय ग्राहक हैं। एरिक्सन की मोबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में औसत डाटा खपत वर्ष 2025 तक प्रति माह प्रति उपभोक्ता 25 जीबी तक पहुंचने की संभावना है। इंटरनेट का ज्यादा इस्तेमाल फोन के मार्फत होगा। भारत में प्रति उपभोक्ता डाटा खपत दुनिया में हो रही खपत से ज्यादा है। भारत में वर्ष 2025 तक 41 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के जुड़ने की संभावना है।

ज्यादा डाटा उपयोग का मतलब है, भारतीय लोग डिजिटल गतिविधियों पर ज्यादा समय और पैसा खर्च करते हैं, सोशल मीडिया से खरीदारी तक। ऐसा देश विशालकाय ग्लोबल डिजिटल कंपनियों - गूगल, अमेजन, ट्विटर, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट और फेसबुक के लिए आदर्श बाजार है। यह भी याद रखें कि इनमें से अधिकांश कंपनियों को चीन में मंजूरी नहीं है। चीन सरकार ने मानो दीवार बना रखी है, जो इन कंपनियों को चीनी उपभोक्ताओं तक पहुंचने से रोकती है। इसलिए भी इन कंपनियों को भारत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हालांकि, इनका कारोबार बहुत अपारदर्शी है। ये कंपनियां भारत में खूब कमाई करती हैं, फेसबुक और गूगल ने 2018-19 में भारत से कम से कम 1.6 अरब डॉलर की कमाई की है। कमाई लगातार बढ़ रही है। अमेजन की भारत से कमाई 1.9 अरब डॉलर आंकी गई है।

गौर करना चाहिए कि ये दिग्गज कंपनियां भारत में कैसा व्यवहार करती हैं। कई बार लगता है, वे यहां कर भुगतान भी नहीं करना चाहती हैं। वे भारत की संप्रभुता का सम्मान नहीं करना चाहती हैं। वे भारत में प्रतिस्पद्र्धा को कुचल देती हैं। वे अत्यधिक शुल्क की मांग करती हैं। वे भारत में डाटा गोपनीयता का सम्मान नहीं करती हैं।

अभी पिछले दिनों यह खबर चर्चा में रही कि डाटा गोपनीयता कानून पर विचार कर रही संसदीय समिति के साथ अमेजन सहयोग नहीं कर रही है। ट्विटर को लेकर भी चर्चा थी, वह जम्मू-कश्मीर को चीन के हिस्से के रूप में दिखा रहा था। जब उससे पूछताछ की गई, तो उसने माफी नहीं मांगी, सिर्फ तकनीकी खामी का हवाला दिया। जब ट्विटर को चीन में मंजूरी भी नहीं है, तब भी उसे भारत की तुलना में चीन से अधिक डर लगता है?

गूगल अपने प्ले स्टोर पर भारतीय एप के राजस्व का 30 प्रतिशत हिस्सा लेना चाहता है, इससे घरेलू स्तर पर एप्स का लाभ न केवल घट जाता है, बल्कि उनका विकास भी बाधित होता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इन कंपनियों की मनमानी की ओर इशारा करते हैं, उनकी साम्राज्यवादी मानसिकता को भी दर्शाते हैं। कोई शक नहीं, यहां इन कंपनियों को ऐसा करने की अनुमति दी गई है। अब अमेजन पर संसदीय समिति द्वारा प्रदर्शित रोष बदलाव का अच्छा संकेत है। उधर, प्रतिस्पद्र्धा आयोग में गूगल के खिलाफ मामला चल रहा है। कुछ चीजों को सेंसर करने और कुछ राजनीतिक विचारों को बढ़ावा देकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से खिलवाड़ के लिए ट्विटर और फेसबुक से पूछताछ जारी है।

यह समय है, भारत गलत व्यवहार कर रही कंपनियों पर निगाह रखे। उन्हें एक साधारण तथ्य को समझना चाहिए कि भारत को उनकी नहीं, उन्हें भारत की जरूरत है। वे भारत में कुछ हजार लोगों को नौकरी पर रख लें और उम्मीद करें कि बाकी 1.3 अरब भारतीय उनके आभारी हो जाएं, ऐसा नहीं हो सकता। अगर भारत भी चीन की तरह व्यवहार करने लगा और बड़ी कंपनियों की भारत में पहुंच को रोकने लगा, तो ये कंपनियां मुश्किल में पड़ जाएंगी। भारत को इन दिग्गजों को अपना व्यवहार बदलने के लिए मजबूर करना होगा। भारत ताकत के साथ ऐसा कर सकता है, कमजोरी के साथ नहीं।

कुछ भारतीय कंपनियों ने पहले ही प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर का विकल्प तैयार करने के लिए सरकार से संपर्क किया है। चंद विदेश आधारित कंपनियों के एकाधिकार को मजबूत करते जाने के बजाय भारतीय विकल्पों को मजबूत करने की जरूरत है, ताकि भारतीय कंपनियों को ज्यादा लाभ हो। भारतीय बाजार में सभी को कारोबार का हक है, लेकिन भारत के घरेलू उद्योगों, समाज और नीति निर्माताओं को वैश्विक कंपनियों को वश में रखना चाहिए। यदि वे भारत में पनपना चाहती हैं, तो उन्हें हमारे नियमों का पालन करना चाहिए। यहां तक कि इन दिनों अमेरिका सरकार भी प्रतिस्पद्र्धा-विरोधी व्यवहार को रोकने के लिए इन्हें मजबूर कर रही है। विडंबना है, अमेरिकी सरकार और उसके एंटी-ट्रस्ट कानूनों ने ही दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट पर दबाव डाला था और कंप्यूटर पर गूगल सर्च इंजन लोड करने की शुरुआत हुई थी।

सिर्फ सिलिकॉन वैली या यूरोपीय कंपनियों से नहीं, भारत को चीन के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। चीनी एप पर लगे प्रतिबंध को नाकाम करने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। चीनी एप भारतीय उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए अपना नाम और ब्रांड बदलने की कोशिश में हैं। सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमिक पॉलिसी रिसर्च ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को इस तरह के एक मामले की खोज करके सतर्क किया है। मंत्रालय ने कुछ हफ्तेपहले चीन के क्वाइ एप पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन क्वाइ ने स्नैक वीडियो के रूप में खुद को रीब्रांड कर लिया और भारत में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध है। सरकार को जांच करनी चाहिए।

यह भारत के लिए एक बड़े महत्वपूर्ण बाजार के रूप में व्यवहार करने का समय है। वैश्विक कंपनियों को भारतीय बाजार की जरूरतों को सुनना होगा और भारत के नियम-कायदों की पालना करनी पड़ेगी। मनमानी करने वाली कंपनियों को हावी होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत को उचित सीमा और नियम लागू करने में हिचकना नहीं चाहिए।

उदासीनता से उमड़ी दूसरी लहर

भूपेन्द्र पटेल

कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करना ऐसी दुर्गम सार्वजनिक चुनौती हो गई है कि सरकारी घोषणाएं अक्सर चुनावी घोषणा पत्र की तरह लगने लगी हैं। मार्च में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन विज्ञान के साथ चलने का वायदा कर रहे थे, लेकिन उन्होंने क्या किया? कुछ हफ्तों से वहां शीर्ष वैज्ञानिक 14 दिन के लॉकडाउन की वकालत कर रहे हैं, लेकिन बोरिस जॉनसन उनकी सलाह की अनदेखी करने में लगे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है, एक 'सर्किट ब्रेकर' की जरूरत है, ताकि अस्पतालों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

भारत में विभिन्न प्रकार के आकलन हैं। सितंबर के मध्य में इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा था, 'हमने कोरोना कर्व को इस तरह से संभाला है कि ...हमारे यहां बड़े चरम की स्थिति बिल्कुल नहीं है'। यह बयान आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से दिया गया हो सकता है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास को भी दर्शाता है। जैसा कि हम नव वर्ष पर निजी रूप से कोई संकल्प लेते हैं और फिर बाद में उसे हल्के में लेने लगते हैं, ठीक इसी तरह से हमने शारीरिक दूरी बरतने संबंधी अपने संकल्प को भी हल्के से ले लिया है।

यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में एक बार फिर कोरोना संक्रमण में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका में पिछले सप्ताह 5,00,000 नए मामले दर्ज हुए हैं। टेक्सास की सीमा के पार बसे मैक्सिको के एक शहर की मेयर अमेरिका से आने वालों पर अस्थाई प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही हैं। फिर भी यह विडंबना ही है कि ज्यादातर रिपोर्ट में कुछ तथ्यों का हवाला नहीं है। टेक्सास के अल पासो में अस्पताल पूरी तरह से भर गए हैं और मरीजों को वहां से एयरलिफ्ट करना पड़ रहा है। उधर, फ्रांस ने फिर लॉकडाउन लगा दिया है। इटली ने एक बार फिर सिनेमा हॉल, सभागारों और जिम को बंद करने के आदेश दे दिए हैं। यह हालत तब है, जब उत्तरी गोलार्द्ध में अभी तक कड़ाके की सर्दी की शुरुआत नहीं हुई है।

शारीरिक दूरी बरतने के प्रति उदासीनता असली अपराधी है। यूरोप में गर्मियों में बिना मास्क छुट्टियां मनाते लोगों की तस्वीरें सबने देखी हैं। लॉन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच जून में बेलग्रेड के एक नाइट क्लब में मौज-मस्ती करते समूह का नेतृत्व कर रहे थे। यह वही इलाका है, जहां कोरोना की दूसरी लहर कहर ढा रही है।

लेकिन अब कोलकाता से लेकर बेंगलुरु तक के बाजारों से भीड़ की तस्वीरें आ रही हैं, जो आशंकाओं को जन्म दे रही हैं। यह भीड़ अत्यधिक संक्रामक साबित हो सकती है। जैसा कि अशोका यूनिवर्सिटी में महामारी विज्ञानी व प्रोफेसर गौतम मेनन बताते हैं, बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान बरती गई ढिलाई के नतीजे कुछ हफ्ते बाद सामने आएंगे, अस्पताल में दाखिले बढ़ेंगे और गंभीर मामलों में वृद्धि होगी। दिवाली के दौरान भी ऐसी ही स्थिति बनने की आशंका है। फिर भी, भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ी है। हाथ धोने और मास्क पहनने के बारे में सब लोग जानते हैं। सरकार के संचार माध्यमों और दिशा-निर्देशों ने यह कामयाबी हासिल की है, लोग मास्क पहनते हैं, लेकिन मुश्किल यह है कि मुंह और नाक पर मास्क पहनने की जरूरत पर किसी ने जोर नहीं दिया है। जुगाड़-शैली में ज्यादातर लोग मुंह के नीचे या गर्दन के नीचे मास्क बांधे या लटकाए रह रहे हैं। अपरिहार्य फोन संदेशों पर भी लोगों को यह नहीं बताया गया है कि वातानुकूलित कार्यालय या घर में बंद रहना ज्यादा जोखिम भरा है और एक कमरे में सभी खिड़कियां खुली रखकर पंखे की हवा में रहने में कम जोखिम है। अभी भी एक पार्क में या छत पर दोस्तों से मिलने के बजाय कमरे में मिलना खतरनाक हो सकता है।

पिछले सप्ताह मैंने सुना, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के प्रबंधक अपने ग्राहकों के सामने आरोग्य सेतु जैसे विवादास्पद एप को डाउनलोड करने की जरूरत को जोर-शोर से साबित करने में लगे थे, इसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का भी निर्देश बता रहे थे। कोरोना से बचाव के लिए ज्यादा बेहतर होता कि वह अपने बैंक कार्यालय की खिड़कियों को खुली रखवाते, बैंककर्मियों की कुर्सियां-मेज बड़े व खुले उस गलियारे में लगवाते, जो एक तरफ सड़क की ओर खुलता है।

ठीक इसी तरह से बेंगलुरु में एक रेस्तरां मालिक से मेरी बात हुई, मैंने उन्हें कहा कि आप केवल पंखा चलाकर रखिए, जिससे रेस्तरां में हवा का संचार सही रहेगा, रेस्तरां एक सड़क की ओर खुलता है, तो इससे भी उसके हवादार होने में मदद मिलेगी, लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि लोग शिकायत करेंगे। मैं कुछ नहीं कर सका, मैंने वहां गार्ड को देखा, जो अंदर भेजने से पहले ग्राहकों और डिलवरी करने वालों के हाथ सेनिटाइज करा रहा था, लेकिन खुद उसका मास्क मुंह से नीचे था।

मैंने महामारी के शुरुआती महीनों में ही उबर की कारों में ड्राइवर और सवारी के बीच प्लास्टिक की शीट देखी थी, ताकि दोनों परस्पर संपर्क से बचें, लेकिन ऐसी कोशिशें नाकाफी हैं। देश की मालदार कंपनियों को अपने कर्मचारियों व अपने ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए और अधिक उपाय करने चाहिए।

दुनिया भर में कोरोना की दूसरी लहर चल रही है, हम सावधान न हुए, तो एक वैक्सीन के आने के बाद भी इस वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर रहेगी। पहली पीढ़ी के वैक्सीन के 100 प्रतिशत कारगर होने की उम्मीद नहीं है। लंबी सर्दियों के उस पार बढ़ते संक्रमण से वैक्सीन अभियानों को जूझना पड़ेगा। पिछले महीनों के अनुभव यही बताते हैं कि जैसे ही वैक्सीन का आगमन होगा, शारीरिक दूरी के प्रति उदासीनता बढ़ जाएगी।

मैंने कोरोना प्रजाति की बीमारी सार्स को देखा और रिपोर्ट किया है, जब 2003 के वसंत में हांगकांग में इस बीमारी का प्रकोप हुआ था। नतीजतन, मुझे इस कोविड महामारी की शुरुआत से ही विश्वास था कि मास्क पहनना और शारीरिक दूरी बनाए रखना सबसे कारगर उपाय होगा। पूर्वी एशिया के देशों में लोग पिछले एक-डेढ़ दशक से मास्क पहनने के रिवाज का पालन कर रहे हैं। भले ही उन्हें सामान्य रूप से जुकाम हुआ हो, लेकिन वे मास्क पहनते हैं। और, इसलिए यह महामारी कोरिया से ताइवान और यहां तक कि बहुत कम विकसित वियतनाम में ज्यादा नहीं फैली है। वियतनाम में सोमवार को जहां एक नया संक्रमण सामने आया, वहीं मंगलवार को महज तीन नए मामले आए। ये कई वजहों से चमत्कारी एशियाई अर्थव्यवस्था वाले देश कहलाते हैं, क्योंकि यहां सामाजिक अनुशासन पुख्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर है।

सभी के लिए लोकल ट्रेन चलाने पर मंथन जारी, सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार रखना बड़ी चुनौती

मुंबई, सामान्य नागरिकों के लिए लोकल सेवाएं चलाने को लेकर पिछले दो दिनों से राज्य और रेलवे के बीच कशमकश चल रही है। राज्य सरकार द्वारा जिस तरह यात्रियों का वर्गीकरण ट्रेनें चलाने की मांग की गई थी, उससे सोशल डिस्टेंसिंग से समझौता होना संभव है। हालांकि, रेलवे द्वारा सभी 3141 सेवाएं चलाने की तैयारी चल रही है, लेकिन 24 लाख से ज्यादा यात्रियों को सेवा देना फिलहाल मुश्किल नजर आ रहा है।

दिन के सबसे बेहतरीन ऑफर्स और डील

रेलवे के आला अधिकारी के अनुसार, जिस तरह बसों में सामान्य लोगों को अनुमति देने के बाद सेवाएं चलाई गई थीं, लेकिन पीक आवर्स में लोगों की भीड़ और लंबी कतारें नजर आती थीं, वो स्थिति रेलवे में पैदा नहीं होनी चाहिए।

मीटिंग में निकल सकता है हल

सूत्रों की मानें तो रेलवे द्वारा जवाब लिखने के बाद फिलहाल राज्य प्रशासन किसी युक्ति ढूंढने में जुटा है। रेलवे ने जवाब में इस बात पर जोर दिया था कि समस्या का कोई तकनीकी हल निकालना होगा। राज्य को अतिरिक्त सुरक्षा देनी होगी। यात्रियों का वर्गीकरण सही ढंग से करना होगा। इन तमाम बिंदुओं पर अगले सप्ताह हाई लेवल की मीटिंग हो सकती है। राज्य सरकार और रेलवे के बीच मीटिंग का मुद्दा रहेगा 56 लाख यात्री, जिन पर निर्णय लिया जाना है।

मुंबई में लॉकडाउन से पहले रोजाना कुल 3141 सर्विस चलती थीं, इससे करीब 80 लाख यात्री सफर करते थे, औसतन 2546 यात्री प्रति लोकल का आंकड़ा था। पीक आवर्स में करीब 4500 यात्री प्रति लोकल चलते थे, जबकि 12 डिब्बों की एक लोकल की क्षमता करीब 1200 यात्री की होती है। कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग की शर्तों को पालने के लिए प्रति लोकल केवल 700 यात्री ही ट्रैवल कर सकते हैं। इस शर्त को यदि बरकरार रखना होगा, तो करीब 56 लाख यात्रियों के लिए यात्रा का संकट पैदा होने वाला है।

लॉकडाउन से पहले के आंकड़े

लॉकडाउन से पहले पश्चिम और मध्य रेलवे को मिलाकर कुल 3141 सेवाओं से करीब 80 लाख यात्री चलते थे। इसमें पहली ट्रेन रवाना होने से लेकर सुबह 8 बजे तक कुल 485 सेवाओं में तकरीबन 7.5 लाख लोग यात्रा करते थे। इसके बाद शुरू होते थे पीक आवर्स। सुबह 8 बजे से सुबह 11 बजे तक कुल 603 सर्विस में तकरीबन 22 लाख लोग यात्रा करते थे। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक कुल 751 सर्विस में करीब 19 लाख यात्री सफर करते थे। फिर शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक कुल 743 सर्विस में करीब 25 लाख लोग यात्रा करते थे। रात 8 बजे के बाद आखिरी लोकल चलने तक कुल 699 सेवाओं में करीब 7 लाख

यात्री होते थे।

ये है मौजूदा स्थिति?

लॉकडाउन के बाद अब पहले पश्चिम और मध्य रेलवे को मिलाकर कुल 1410 सेवाओं से करीब 9 लाख यात्री चलते थे। इसमें पहली ट्रेन रवाना होने से लेकर सुबह 8 बजे तक कुल 200 सेवाओं में तकरीबन 1 लाख लोग यात्रा करते हैं। सुबह 8 बजे से सुबह 11 बजे तक कुल 299 सर्विस में तकरीबन 2.41 लाख लोग यात्रा करते हैं। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक कुल 321 सर्विस में करीब 2.10 लाख यात्री सफर करते हैं। फिर शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक कुल 342 सर्विस में करीब 2.31 लाख लोग यात्रा करते हैं। रात 8 बजे के बाद आखिरी लोकल चलने तक कुल 248 सेवाओं में करीब 60 हज़ार यात्री होते हैं।

टिकट देने की विकट समस्या

हाल ही में जब महिलाओं को शर्तों के साथ अनुमति मिली तब स्टेशनों पर टिकटों के लिए लंबी कतारें देखी गई। यदि 9 लाख यात्रियों में वर्गीकरण के कारण परेशानी हो रही है, तो 24 लाख यात्रियों के लिए ज्यादा संकट हो सकता है।

रेलवे ने बताया कि सामान्य यात्रियों को अनुमति देने के बाद बुकिंग खिड़कियों पर उलझनें बढ़ सकती हैं। इसलिए एटीवीएम, यूटीएस मोबाइल ऐप इत्यादि के माध्यम से भी टिकट वितरण शुरू करने होंगे। रेलवे ने कहा कि इन वैकल्पिक टिकटिंग व्यवस्थाओं में यात्रियों के वर्गीकरण का कोई विकल्प नहीं होता है, इसलिए टिकटिंग व्यवस्था को लेकर भी फिलहाल संशय दूर करने की ज़रूरत है।

लोकल ट्रेन और दिवाली को लेकर बीएमसी अलर्ट

महाराष्ट्र सरकार द्वारा सामान्य नागरिकों को लोकल ट्रेन में सफर करने को अनुमति देने के प्रस्ताव और दिवाली के दौरान बाजारों में होने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए बीएमसी अलर्ट हो गई है। स्वाथ्य अधिकारियों के अनुसार, दिवाली से पहले लोकल ट्रेन में सभी को यात्रा की अनुमति देने से कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। खरीददारी के लिए लोगों के घर से बाहर निकलने और एक दूसरे से मिलने के कारण संक्रमण तेजी से फैल सकता है। खतरे की संभावना को देखते हुए बीएमसी प्रशासन अलर्ट है।

बता दें कि गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर सफर करने के कारण कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई थी। एक दिन में 2000 से अधिक केस भी सामने आए थे। स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों के बाद अक्टूबर में कोरोना संक्रमण की गति थोड़ी धीमी हुई है। बीते दस दिनों में ही रोग के ग्रोथ रेट में 0.25 प्रतिशत की कमी आई है। 20 अक्टूबर को कोरोना का ग्रोथ रेट 0.69 प्रतिशत था, जो अब घटकर 0.44 प्रतिशत हो गया है।

बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के अनुसार, दिवाली के पहले यदि लोकल शुरू होती है, तो रोजमर्रा के यात्रियों के अलावा खरीदारी के लिए भी लोग बाहर निकलेंगे। यदि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया गया और मॉस्क का इस्तेमाल नहीं किया गया, तो मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। इस कारण बगैर मास्क वाले यात्रियों को लोकल ट्रेन में सफर करने नहीं दिया जाएगा। लोगों को अपनी जिम्मेदारी खुद समझनी होगी। अगर मामले बढ़ते हैं तो उस स्थिति से निटपने के लिए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।

तेजी से सुधर रहे हालात

मुंबई में अब तक 2,55,360 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं रोग के कारण 10,299 मरीजों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। 2,26,041 से ठीक लोग ठीक भी हो चुके हैं। कोरोना का रिकवरी रेट 88 प्रतिशत तक पहुंच गया है। डेथ ऑडिट कमिटी के प्रमुख डॉक्टर अविनाश सुपे के मुताबिक, दीवाली के साथ-साथ ठंड का मौसम भी शुरू होने वाला है। कई देशों में ठंड के चलते एक बार फिर कोरोना की लहर उठी है। ठंड में हवा की गुणवत्ता भी खराब हो जाती है। वायरस के पनपने के लिए ठंड बेहद अनुकूल मौसम है। ऐसे में नागरिकों को और भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। सोशल डिस्टेंसिंग और नियमों का कड़ाई से पालन करके ही रोग से नियंत्रित किया जा सकता है।

बीएमसी टास्क फोर्स के सदस्य डॉक्टर गौतम भंसाली के अनुसार, लंबे समय तक लोगों को विभिन्न सेवाओं से वंचित नहीं रखा जा सकता है। लोकल में सफर करते वक्त यात्रियों कड़ाई से नियम का पालन करना जरूरी है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही के कारण एक संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए उर्मिला मातोंडकर के नाम की चर्चा, संजय राउत ने भी यूं बढ़ाया सस्पेंस

मुंबई, महाराष्ट्र विधान परिषद की राज्यपाल की ओर से भरी जाने वाली 12 सीटों में से एक पर उर्मिला मातोंडकर के मनोनयन की चर्चा जोरों पर है। कहा जा रहा है कि इस संदर्भ में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने खुद उर्मिला से बात की है। शुक्रवार को जब यह चर्चा आम हुई, तो मीडिया ने इस बारे में शिवसेना सांसद संजय राउत से खबर की पुष्टि करनी चाहिए। जवाब में संजय राउत ने यह कहकर सस्पेंस और बढ़ा दिया कि राज्यपाल की ओर से नामित सीटों के लिए किसका नाम भेजना है, यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है और मुख्यमंत्री इस पर विचार करेंगे। लोकसभा चुनाव में उर्मिला को मिली थी शिकस्त बता दें कि 'मराठी मुलगी' मातोंडकर ने 2019 में कांग्रेस के टिकट पर मुंबई उत्तर से लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बाद में मुंबई कांग्रेस के कामकाज के तरीके को लेकर उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। हाल ही में कंगना और शिवसेना के विवाद में उर्मिला मातोंडकर ने कंगना का विरोध कर शिवसेना की हमदर्दी हासिल की है। 6 महीने से खाली पड़ी हैं सीटें यह सीटें पिछले 6 महीने से खाली पड़ी हैं। महाविकास अघाड़ी सरकार में पद से वंचित नेताओं की ओर से इन्हें भरने का दबाव लगातार बनाया जा रहा है। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने कोरोना संकट के बीच दो बार राज्यपाल कोटे से उद्धव ठाकरे को विधान परिषद में मनोनीत करने की सिफारिश की थी, जिसे गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने मंजूरी नहीं दी थी। बरकरार है सस्पेंस बरहाल राज्यपाल की ओर से मनोनीत किए जाने वाले विधान परिषद के 12 प्रत्याशियों के नाम पर सस्पेंस बना हुआ है। खबर है कि गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में सभी 12 नाम तय कर लिए गए हैं। महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल तीनों पार्टियों शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने चार-चार उम्मीदवारों के नाम तय किए हैं। इन 12 प्रत्याशियों के नाम की सूची मुख्यमंत्री के पास है, जिसे उन्हें राज्यपाल को भेजना है।

चरणबद्ध तरीके से दिवाली बाद शुरू किए जाएंगे स्कूल-कॉलेज

मुंबई, अबतक स्कूल-कॉलेजों में प्रवेश का मसला अटका पड़ा है। इसी बीच स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने स्कूल-कॉलेज खोलने के बाबत नई घोषणा की है। उनका कहना है कि दिवाली के बाद सरकार चरणबद्ध तरीके से स्कूल-कॉलेज खोलने के बाबत विचार कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि 11वीं में प्रवेश की प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। इन मसलों को लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जल्द ही शालेय शिक्षण मंत्रालय के साथ बैठक करेंगे। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने कहा है कि कोरोना महामारी के प्रकोप को देखते हुए चरणबद्ध तरीके से स्कूल शुरू करने की योजना बना रही है। 9वीं से 12वीं तक के छात्र प्राथमिक स्कूल के छात्रों की तुलना में अधिक जागरूक हैं और उनका शैक्षणिक वर्ष महत्वपूर्ण है, इसलिए उनके पहले स्कूल शुरू करने के बारे में सरकार सोच रही है। मराठा आरक्षण पर बोलते हुए वर्षा गायकवाड ने कहा कि मामला न्यायालय में है इसलिए 11 वीं कक्षा के छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया ठप्प है। जूनियर कॉलेजों को शुरू होने में थोड़ा समय लगेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एक बैठक करेंगे और वे छात्रों के हित में निर्णय लेंगे। स्कूली शिक्षा मंत्री गायकवाड ने कहा कि मार्च में लॉकडाउन शुरू होने के बाद से ही स्कूल-कॉलेज बंद ही हैं, जिसे देखते हुए सरकार ने 15 जून से ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कराई है। राज्य सरकार ने शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उपस्थिति को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला किया।

अंधेरी में क्रेन मेट्रो के पिलर से टकराकर दो हिस्सों में बंटी, एक महिला की मौत, दो गंभीर

मुंबई, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। अंधेरी गुंदावली बस स्टॉप पर एक अनियंत्रित क्रेन तेज रफ्तार में मेट्रो के पिलर से जा टकराई। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा शनिवार सुबह लगभग छह बजे हुआ। एक महिला अंधेरी वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे के बस स्टॉप पर खड़ी थी। मेट्रो की क्रेन को जोगेश्वरी से बांद्रा लाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि क्रेन के ड्राइवर ने अचानक क्रेन से अपना नियंत्रण खो दिया।

दो हिस्सों में बंटी क्रेन

देखते ही देखते क्रेन दो हिस्सों में बंट गई। बस स्टॉप पर खड़ी महिला के ऊपर क्रेन का एक हिस्सा जाकर गिर गया। महिला क्रेन के पिछले पहिए के नीचे दब गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बस स्टॉप के पास मौजूद दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ड्राइवर मौके पर ही क्रेन छोड़कर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

अंधेरी से दहिसर के लिए बिछाई जा रही यह मेट्रो लाइन

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक महिला की पहचान फाल्गुनी पटेल के रूप में हुई है। जो दो अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्हें पास के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

उनकी हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई मेट्रो लाइन-7 का निर्माण हो रहा है। यह लाइन, अंधेरी से दहिसर के लिए बिछाई जा रही है।

रु. 10 देने के चक्कर में दे बैठी 8 लाख रुपए... दिल्ली से 4 ठग गिरफ्तार

लॉकडाउन का असर रोजगार पर भी पड़ा है, कई कंपनियों ने अपने कुछ कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। लोग नौकरी ढूंढने के लिए ऑनलाइन तक अप्लाई कर रहे हैं। नौकरी पहले से नहीं है ऊपर से साइबर अपराधी लोगों को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। घाटकोपर स्थित पंत नगर पुलिस ने एक युवती को नौकरी देने के बहाने ८ लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर नई दिल्ली से ४ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं पांचवें आरोपी को उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से गिरफ्तार किया है, जो पेशे से शिक्षक है। युवती डेबिट कार्ड के माध्यम से सिर्फ १० रुपये देना चाहती थी लेकिन ठगों के जाल में फंसकर ८ लाख १६ हजार ६०० रुपए दे बैठी। दर्ज एफआईआर के मुताबिक, युवती ने नौकरी ढूंढने के लिए अपना रिज्यूम ऑनलाइन अपलोड किया था। ३१ अगस्त को उसे एक फोन आया, फोन पर सामने वाले व्यक्ति ने खुद का नाम विराज बताया और युवती से पंजीकरण के लिए १० रुपये लगेंगे, ऐसा कहकर उससे डेबिट कार्ड नंबर एवं ओटीपी की मांग की। सिर्फ १० रुपये सुनकर युवती ने बिना कुछ सोचे समझे डेबिट कार्ड नंबर और ओटीपी बता दिया। पैसे नहीं आया यह कहकर विराज (ठग) ओटीपी की मांग करता रहा और उसके खाते से ८ लाख १६ हजार ६०० रुपए निकाल लिए। पुलिस ने दिए गए नंबर एवं अन्य सबूतों के आधार पर आरोपियों का ठिकाना नई दिल्ली में निकाला। पंत नगर पुलिस के सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल माली एवं बाबासाहेब मिसाल अपनी टीम के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए। पुलिस ने दिल्ली के फर्जी कॉल सेंटर में छापा मारकर आशिक इकबाल मोहम्मद हसन (२७), राहुल तिलकराज (२१), रवि भानुप्रताप होकला (२४) एवं देवेश कुमार वीरपाल सिंह (२३) को गिरफ्तार किया। पांचवें आरोपी और पेशे से शिक्षक आदित्य करण सिंह (३२) को बागपत जिले में गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से २३ मोबाइल, ८ हार्डडिस्क, ४७ सिमकार्ड एवं १२ डेबिट कार्ड सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। इसके साथ पुलिस ने १ लाख ७४ हजार रुपये नगदी भी बरामद की है। पुलिस को शक है कि इन्होंने देश में कई लोगों के साथ ठगी की है। घटना की जांच जारी है।

मुंबई में बिना मास्क सड़कों पर घूमे लोग, बीएमसी ने 1.60 लाख से वसूले 3.49 करोड़ रुपये

मुंबई, कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए प्रदेश सरकार और प्रशासन ने कई दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें घर से बाहर निकलने पर

मास्क लगाना अनिवार्य है। इसके बावजूद शहर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो नियम तोड़कर जुर्माना भर देंगे, लेकिन मास्क नहीं लगा सकते हैं। मुंबई में प्रशासन ने 20 अप्रैल से 29 अक्टूबर तक 1 लाख 60 हजार 279 लोगों पर बिना मास्क पहने घूमने पर जुर्माना लगाया है और इनसे 3 करोड़ 49 लाख 34 हजार 800 रुपये वसूले हैं।

बीएमसी प्रशासन ने शहर में नियमों की कड़ाई से पालन कराने के लिए बिना मास्क पहने घूमने वालों से 200 रुपये जुर्माना वसूलने का प्रावधान किया है। शहर में बड़ी संख्या में कोरोना के मरीज सामने आने के बावजूद लोग सबक नहीं सीख रहे हैं और बिना मास्क पहने घूम रहे हैं। प्रशासन के मुताबिक, उसने बिना मास्क पहने घूमने वाले लोगों से 20 अप्रैल से जुर्माना राशि वसूलना शुरू किया था।

इसमें नियम को तोड़ने वालों का दिनोंदिन इजाफा ही हुआ है। अकेले 29 अक्टूबर को बीएमसी के सभी 24 वार्डों में 9107 लोगों ने मास्क के नियमों को तोड़ा और इनसे 18 लाख 21 हजार 400 रुपये वसूले गए। ये आंकड़ा वह है, जो नियम तोड़ने पर प्रशासन की नजर में आए हैं, यानी बिना मास्क पहने घूमने वालों की संख्या इससे भी अधिक हो सकती है।

L वार्ड में सबसे अधिक नियम टूटे मास्क नहीं पहनकर सबसे अधिक नियम तोड़ने वालों में बीएमसी के एल वार्ड का क्षेत्र शामिल है। इस वार्ड में प्रशासन ने बिना मास्क पहने नियमों का उल्लंघन करने वालों की संख्या 10 हजार 929 है, जबकि दूसरे स्थान पर 8 हजार 890 मामलों के साथ के/ वेस्ट वार्ड दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर 7 हजार 883 मामले के साथ जी/नार्थ वार्ड है। बिना मास्क कार्यालय में आने वालों की खैर नहीं

इधर, ठाणे मनपा कार्यालय में जाने वाले आम नागरिकों को अब सजग रहना पड़ेगा। मनपा कार्यालय में बिना मास्क प्रवेश करनेवालों की खैर नहीं होगी। इसके साथ ही नगरसेवकों, अधिकारियों तथा मनपा कर्मचारियों पर भी नजर रखी जाएगी। मास्क न लगाने पर 500 रुपये की दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मनपा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों, सरकारी कार्यालयों और निजी कार्यालयों में बिना मास्क के लोगों के घूमने की शिकायत मनपा आयुक्त को मिली थी।

मनपा आयुक्त डॉक्टर विपिन शर्मा ने बिना मास्क घूमने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ने तथा 500 रुपये का दंड लगाने का आदेश दिया है। मनपा के सभी नौ प्रभाग समितियों में संयुक्त अभियान शुरू किया गया है। मनपा प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए मनपा मुख्यालय सहित सभी मनपा व निजी कार्यालयों में बिना मास्क के आने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश जारी किया है।

हाल ही में महापौर नरेश महस्के के समक्ष कई अधिकारी और कर्मचारी बिना मास्क के मुख्यालय में घूमते नजर आए थे। महापौर ने इस पर नाराज़गी जताई थी। सुरक्षा रक्षकों को विशेष रूप से सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। बिना मास्क प्रवेश करने वालों पर नजर रखने के लिए विशेष कर्मचारी को तैनात किया गया है।

तीन वर्ष में होगा सेस इमारतें का पुनर्विकास... मंत्रिमंडल का निर्णय

मुंबई में करीब १४,५०० सेस इमारते हैं। इनमें से अधिकांश इमारत जर्जर हो गई हैं। इनके पुनर्विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार ने विकासकों के लिए नए दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्णय लिया है। इसके तहत विकासकों को इन इमारतों का पुनर्विकास ३ से ५ वर्ष में ही पूरा करना होगा। मुंबई शहर की जर्जर हुई सेस इमारतों के पुनर्विकास के लिए ११ सितंबर २०१९ का शासन निर्णय रद्द करके नए दिशा-निर्देश बनाने का निर्णय कल मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इसके तहत विकासक का पंजीयन और उसकी पात्रता के संदर्भ में नए दिशा-निर्देश गृह निर्माण विभाग निश्चित करेगी। धारावी पुनर्विकास के लिए नई निविदा धारावी पुनर्विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय निविदा निकालकर पुनर्विकास करने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद भी पुनर्विकास को गति न मिलने से वर्तमान में शुरू धारावी पुनर्विकास की निविदा प्रक्रिया रद्द करने के संदर्भ में सचिव समिति ने निर्णय लिया है। अब निविदा की शर्तों में बदलाव किया जाएगा। निविदा की शर्तों में उचित बदलाव करने के समिति के निर्णय पर कल मंत्रिमंडल की बैठक में मुहर लगाई गई। इस प्रस्ताव के अमल में कोई बदलाव करना हुआ तो मंत्रिमंडल की अनुमति ली जाएगी। धारावी पुनर्विकास के संदर्भ में दो निविदाकारों की निविदा सचिव समिति के समक्ष रखी गई थी। इस परियोजना के लिए रेलवे की जगह के हस्तांतरण के संबंध में मुद्दा उपस्थित होने पर महाअधिवक्ता द्वारा दिए गए अभिप्राय पर सचिव समिति ने निर्णय लेकर इस निविदा प्रक्रिया को रद्द करना तय किया था।

ठाणे मनपा की `भंगार' कार्रवाई...लावारिस वाहनों को उठा रही है मनपा

शहर के मैदान में रखने की कवायद शुरू

ठाणे मनपा ने शहर के विभिन्न सड़कों, चौकों और चौराहों पर खड़े लावारिस वाहनों पर जब्ती की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस विशेष मुहिम के तहत उथलसर प्रभाग समिति के अंतर्गत तकरीबन दो दर्जन से भी अधिक वाहनों को जब्त कर उसे शहर के एक मैदान में रखा जा रहा है। मनपा की इस कार्रवाई से जहां लावारिस वाहनों से जाम सड़कें खुलनेवाली हैं, वहीं सड़कों पर होनेवाले यातायात जाम से भी जनता को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ठाणे मनपा आयुक्त डॉ. विपिन शर्मा कोरोना के इस संक्रमण काल में शहर की स्वच्छता को विशेष प्राथमिकता देते नजर आ रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शहर के ९ प्रभाग समिति क्षेत्रों में स्वच्छता का कार्य जोरों-शोरों से शुरू किया है। इतना ही नहीं, प्रभाग समिति क्षेत्रों में परिसरों को स्वच्छ किया जा रहा है। अब तक आयुक्त डॉ. शर्मा नौपाड़ा-कोपरी, उथलसर, कलवा जैसे प्रभाग समिति क्षेत्रों का दौरा कर साफ-सफाई का जायजा ले चुके हैं, जबकि शेष छह प्रभाग समितियों की स्वच्छता हुई है कि नहीं, इसका जायजा लेना शेष है। बहरहाल, इन सभी के बीच अब शहर के विभिन्न सड़कों, चौराहों और गलियों में लावारिस रूप से खड़े वाहनों पर भी अब मनपा ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

७०० वाहनों को नोटिस

अब तक मनपा की तरफ से तकरीबन ७०० से अधिक वाहनों को नोटिस भेजा गया है, जिसमें से सर्वाधिक ४६८ वाहन उथलसर प्रभाग समिति के क्षेत्र में है, जिसमें से दो दर्जन से भी अधिक वाहनों पर पिछले तीन दिनों में कार्रवाई करते हुए मनपा ने सहायक आयुक्त शंकर पाटोले के नेतृत्व में जप्त किया गया है।

Weight Loss के लिए क्या है chia seeds खाने का सही समय और तरीका, पढ़ें

सोनल झालावाड़िया

चिया सीड्स को अपनी डाइट में शामिल करने से शरीर को कई फायदे होते हैं। यहां हम आपको इसके फायदे बता रहे हैं और बता रहे हैं कि इसको कैसे ग्रहण किया जा सकता है।

आजकल चिया सीड्स काफी प्रचलन में हैं। ये हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर वजन कम करने की बात हो तो चिया के बीज हेल्दी तरीके से वजन घटाने में काफी मददगार साबित होते हैं। चिया सीड्स फाइबर, प्रोटीन, गुड फैट, कैल्शियम , मैग्नीज, मैग्निशियम और फास्फोरस से भरपूर होते हैं। चिया सीड्स को कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आप चाहें तो सलाद पर इन्हें एक्स्ट्रा क्रंच के लिए छिड़क सकते हैं या फिर आप इन्हें नट्स और बीज के तौर खा सकते हैं। इसके अलावा आप चिया सीड्स को पानी के साथ मिलाकर भी ग्रहण कर सकते हैं। इसके लिए आपको चिया सीड्स को पानी में मिलने की जरूरत है, उसके बाद सुबह सबसे पहले इसे पी सकते हैं या दिन में किसी और समय इसे पी सकते हैं। इसके सेवन से आपको कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स होंगे।

चिया सीड्स वॉटर: चिया सीड्स एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जिसके स्वास्थ्य के लिए आश्चर्यचकित करने वाले लाभ हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट बीजों में सेंसिटिव फैट को बासी होने से बचाते हैं। सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से शरीर को सुरक्षा देते हैं। डाइजेशन: अगर डाइजेशन की बात की जाए तो चिया सीड्स इसमें काफी फायदेमंद हैं। चिया सीड्स फाइबर से भरपूर होते हैं। चिया सीड्स को पानी के साथ सुबह ग्रहण करने से डाइजेशन और बॉल मूवमेंट में सुधार होता है। अगर किसी भी व्यक्ति का डाइजेशन सिस्टम ठीक है तो इससे वजन घटने में काफी मदद मिलती है। वजन घटाने में लाभकारी: चिया सीड्स में अधिक मात्रा में सॉल्युबेल फाइबर होते हैं। इसकी बदौलत चिया सीड्स को पानी में 10-12 गुना वजन अवशोषित कर पाते हैं और उससे जेल जैसी स्थिरता मिलती है। चिया सीड्स पानी पीने से आपको पेट भरा हुआ लगता है, जिसके बाद आप आराम से भोजन करते हैं। इसकी वजह से आप कम कैलोरी इंटेक करते हैं और वजन कम कर पाते हैं। प्रोटीन लेना: चिया सीड्स में 14 फीसदी मात्रा प्रोटीन की होती है। इसके अलावा चिया सीड्स में प्रभावशाली अमीनो एसिड प्रोफाइल होते हैं। प्रोटीन एक मैक्रोन्यूट्रिएंट है जो वजन घटाने और मांसपेशियों बिल्डअप के लिए जरूरी है। प्रोटीन से भरपूर फूड्स खाने से पेट भरा हुआ लग सकता है, जिससे कैलोरी ग्रहण करने की मात्रा कम हो सकती है। दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद: इंसान के शरीर में दिल का स्वस्थ रहना बहुत ज्यादा जरूरी है। चिया सीड्स में अधिक मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड, अल्फा-लिनोलेनिक एसिड या एएलए होता है। जिसकी बदौलत ये चिया सीड्स को दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा बनाते हैं। चिया सीड्स को पानी या पानी के साथ चिया सीड्स को रोजाना की डाइट में शामिल करने से दिल की बीमारी होने का खतरा कम हो सकता है। हड्डियों के लिए हेल्दी: चिया सीड्स में कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस हड्डियों के स्वास्थ्य के फायदेमंद रहते हैं। चिया सीड्स में कैल्शियम की मात्रा किसी इंसान की रोजाना ग्रहण करने की मात्रा की 18 फीसदी होती है। जो लोग प्रोटीन इंटेक नहीं करते हैं, उन लोगों के लिए ये कैल्शियम का एक बड़ा सोर्स माना जा सकता है। ब्लड शुगर कंट्रोल: चिया सीड्स इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करते हैं और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करते हैं। स्टडीज से पता चला है कि चिया सीड्स खाना खाने के बाद ब्लड शुगर के लेवल को स्थिर करने में मदद कर सकता है। इस प्रकार डायबिटीज़ वाले लोग अपनी डाइट में चिया सीड्स को शामिल करके फायदा कर सकते हैं।

भारतीय खाने में खिचड़ी का क्यों हैं इतना महत्व? इसके फायदे जान हैरान रह जाएंगे आप

खिचड़ी भारत में काफी लोकप्रिय व्यंजन है। लगभग सभी घरों में इसे खाया जाता है। अगर आप इसे सर्दियों के मौसम में खाते हैं तो इसके काफी फायदे हैं। यहां हम आपको इन फायदों की जानकारी दे रहे हैं।

भारत में खिचड़ी एक लोकप्रिय व्यंजनों में से एक है। भारत में लोग इसे दाल और चावल को एक साथ उबाल कर बनाते हैं और अपने स्वाद के अनुसार इसमें घी, सब्जियां और मसाले आदि मिलाते हैं। सर्दियों के मौसम में कई बदलाव होते हैं और यह बदलाव हमारे शरीर से लेकर लाइफस्टाइल तक पर होते हैं। ऐसे में हमें भी सर्दियों के मौसम में अपने खान-पान में बदलाव करने की जरूरत है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में खिचड़ी खाने के कैसे-कैसे फायदे हैं। इन न्यूट्रिशन से होती है भरपूर: भारत में बनाए जाने वाली खिचड़ी कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स, मिनरल्स, वाटर और फाइबर जैसे कई हेल्दी न्यूट्रिशन से भरपूर होती है। भारत में खिचड़ी को दही, पापड़, घी और अचार आदि के साथ सर्व किया जाता है। अगर खिचड़ी के साथ दही, पापड़, घी और अचार हैं तो इससे ये और भी ज्यादा स्वादिष्ट हो जाती है। खिचड़ी के फायदे: अगर खिचड़ी के फायदों की बात की जाए तो ये न्यूट्रिशन्स से भरपूर होती है। इसे खाने से अपच से बचाव होता है। अगर वजन कम करने की बात की जाए तो खिचड़ी इसमें मददगार साबित होती है। वहीं, डायबिटीज की बात करें तो खिचड़ी इसमें भी मदद करती है। वहीं, खिचड़ी वात, पित्त और कफ से बचाव में भी काफी मदद करती है। इसके अलावा खिचड़ी खाने से बॉडी से डिटॉक्स भी बाहर निकलते हैं। अगर स्किन की बात की जाए तो खिचड़ी के सेवन से हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा भी निखरती है। इतने प्रकार की होती है खिचड़ी: खिचड़ी की बात की जाए तो इसके कई प्रकार हैं जैसे- मूंग दाल की खिचड़ी, अरहर दाल की खिचड़ी, होल ग्रेन साबुत अनाज की खिचड़ी, आयुर्वेद खिचड़ी, मसालेदार खिचड़ी, ड्रायफ्रूट खिचड़ी, बाजरे की खिचड़ी और दही वाली खिचड़ी आदि हैं। इस परेशानियों को करती है दूर: सर्दियों के मौसम में अपच की बहुत परेशानी होती है। अगर आपको कब्ज की शिकायत है तो खिचड़ी खाने से इसमें मदद मिलती है। सर्दियों के मौसम खिचड़ी पाचन तंत्र को मजबूत करके उसे ठीक करती है। अगर आप धूप में खिचड़ी खा रहे हैं तो इसे दही के साथ खाना चाहिए। वहीं, आज के समय में अधिकतर लोगों की बैठने वाली जॉब होती है। अगर आपकी भी ऐसी ही जॉब है तो आपके लिए खिचड़ी काफी लाभकारी साबित हो सकती है। रोजाना अलग दाल और बीन्स के साथ खिचड़ी बनाकर खाने से ये फायदा करती है। ठंड से करे बचाव: सर्दियों के मौसम में ठंड लगने की वजह से बहुत से लोगों को कफ, फीवर, वीकनेस आदि की शिकायत होती है। अगर आप सर्दियों के मौसम में खिचड़ी का सेवन करते हैं तो इससे आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। इनकी बदौलत शरीर जल्दी ठीक होता है और सर्दियों में आसानी से काम करता है। वहीं, अगर बॉडी डिटॉक्स करने की बात हो तो खिचड़ी इसमें काफी मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखते हैं ये फूड्स

अगर ब्लड प्रेशर को लेकर परेशान रहते हैं या उसे ठीक नहीं कर पा रहे हैं तो हम आपको आज ऐसे पांच फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जो कि ब्लड प्रेशर का नियंत्रण बिना किसी एक्सरसाइज और डॉक्टर की सलाह के कर सकते हैं। हाई ब्लड प्रेशर एक ऐसी सिचुएशन है, जिसकी जानकारी हम अब अच्छी तरह से है। ये इतनी ज्यादा है कि युवा भी इससे अछूते नहीं हैं। हाई ब्लड प्रेशर एक ऐसी बीमारी है जो कि हमारे खराब आहार और लाइफस्टाइल के चलते हो सकती है। अगर हम एक अच्छे आहार का सेवन करेंगे तो ब्लड प्रेशर संबंधित बीमारी को ठीक कर सकते हैं।

बादाम: बादाम ओमेगा 3 फैटी एसिड से भी भरपूर फूड है। इसी के साथ बादाम पोटेशियम का एक अच्छा स्रोत है। बादाम दिल को मजबूत करने के साथ दिल से जुड़ी बीमारियों को ठीक करने के लिए भी काफी ज्यादा मददगार साबित होता है। गर्मियों के मौसम में बादाम भिगोकर खाना ज्यादा बेहतर है। वैसे आप सर्दियों में रॉ बादाम भी खा सकते हैं।

केला: केला एक ऐसा फल है जो कि बहुत ही आसानी से मिल जाता है और जिसका सेवन बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। पोटेशियम से भरपूर केला आसानी से छीलकर खाया जा सकता है। केला पोटेशियम सोडियम के नेगेटिव इफेक्ट्स को कम करने में मदद करता है। पोटेशियम एक वासोडिलेटर के रूप में काम करता है जो अतिरिक्त सोडियम को पेशाब करने और बाहर निकालने के लिए बनाता है।

पालक: पालक एक पोटैशियम से भरपूर फूड है जो कि खाने में ज्यादा टेस्टी न लगे, लेकिन सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। वहीं, पालक दिल के अनुकूल फोलेट और मैग्नीशियम का भी एक अच्छा स्रोत है। अगर टेस्ट की बात करें तो आप पालक का उपयोग स्मूदी, सलाद, सूप, सब्जी, स्टीव आदि बनाने के लिए कर सकते हैं।

लो फैट वाली दही: एक्सपर्ट के अनुसार लो फैट वाली दही का प्रति सप्ताह में सिर्फ दो बार सेवन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसी के साथ आप इसमें टेस्ट शामिल करना चाहते हैं तो दही से बने व्यंजन जैसे ग्रीक योगर्ट, डिप्स आदि भी खा सकते हैं।

30 साल के बाद इन 5 चीजों से बना लें दूरी, पूरी लाइफ नहीं होगी कोई परेशानी

उम्र के साथ-साथ इंसान के शरीर में बदलाव होते रहते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है तो उसके साथ-साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं और उसको लेकर भी हमें कई कार्य करने पड़ते हैं। वैसे तो हम जल्दी अपने लाइफस्टाइल में बदलाव नहीं करते हैं और जैसा चलता जा रहा है उसी को आगे बढ़ाते रहते हैं। ऐसा करना हमारे लिए ठीक नहीं रहता है। दरअसल, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे ही हमें अपने लाइफस्टाइल में भी बदलाव करना चाहिए। हमारी उम्र के साथ हमारी हेल्थ, बॉडी और दिमाग की कैपेबिलिटी पर फर्क आता है। इंसान के जीवन में 30 साल की उम्र एक बदलाव की घड़ी होती है, जिसके बाद बॉडी और हेल्थ में बदलाव आते हैं और उसके हिसाब से ही हम आगे बढ़ते हैं। 30 साल की उम्र आमतौर पर वो समय होता है जब इंसान के ऊपर सबसे ज्यादा जिम्मेदारियां आ जाती हैं। इस दौरान सिर्फ लाइफस्टाइल ही नहीं बदलती है बल्कि उसके साथ-साथ की चीजें बदल जाती हैं। इस उम्र के बाद जीवन में गंभीरता आने लगती है और इसी उम्र में करियर और घर के बारे में सोचा जाता है। चाहे करियर की जिम्मेदारी की बात हो या शादी की जिम्मेदारी की बात हो, इसी उम्र में लगभग सभी पर ये जिम्मेदारियां चरम सीमा पर आती हैं। इस उम्र के बाद आपको कई चीजों में बदलाव करना जरूरी है, जिससे कि आपका आगे का जीवन हेल्दी रहे। आइए उन बदलावों के बारे में जानते हैं, जिन्हें 30 की उम्र के बाद लाइफस्टाइल में शामिल कर लेना चाहिए। खाने में इन चीजों से करें परहेज: बचपन में हम कुछ भी खाते रहते हैं और पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन इस उम्र के बाद हमें खाने पर कुछ चीजों में रोक लगानी चाहिए। इस उम्र में अगर हम अपने खान-पान पर कंट्रोल नहीं करेंगे तो आगे जाकर अधिक उम्र पर हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। 30 की उम्र के बाद खाने में नमक, चीनी और मैदा आदि को बेहद कम कर देना चाहिए। अगर आप डाइट में नमक कम इस्तेमाल करेंगे, शुगर का उपयोग कम करेंगे और मैदा का इस्तेमाल भी कम कर देंगे तो कई बीमारियां अपने छू नहीं पाएंगी। इसके लिए आप अपनी डाइट में अधिक फल, सब्जियां और ड्राई फ्रूट्स को शामिल कीजिए। वजन पर नियंत्रण रखना है जरूरी: बहुत से लोगों का वजन 30 की उम्र तक बढ़ जाता है और बहुत लोगों का वजन इस उम्र के बाद बढ़ना चालू हो जाता है। उस उम्र के बाद आपको अपने वजन को बढ़ने से रोकना होगा और खुद को फिट करना होगा।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए अक्टूबर का यह अंतिम सप्ताह आय बढ़ाने वाला साबित होगा। आपके संपत्ति संबंधी कार्यों में आ रही सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी। नया भवन, भूमि, कृषि भूमि आदि खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। विद्यार्थियों के लिए भी यह समय अत्यधिक उत्पादक रहेगा। वे शैक्षणिक गतिविधियों में सबसे आगे रहेंगे।

वृषभ : वृषभ राशि के जातकों के लिए अक्टूबर का यह अंतिम सप्ताह बिजनेस और नौकरी में उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। पिछले कुछ दिनों से आप जो मानसिक अस्थिरता महसूस कर रहे थे, वह इस सप्ताह दूर हो जाएगी। मन में उत्साह का संचार होगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होने से सभी कार्यों में सफलता सुनिश्चित है।

मिथुन : व्यापारियों के लिए यह सप्ताह लाभदायक है। नौकरीपेशा को बड़ा पद और पैसा ऑफर हो सकता है। यदि आप किसी कंपनी के मालिक हैं तो आपके लिए यह जरूरी होगा कि अपने कर्मचारियों की जरूरतों का ध्यान रखें। इस सप्ताह मिथुन राशि के जातकों की रुचि धर्म, अध्यात्म, योग आदि में बढ़ेगी। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह शुभ है।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए सप्ताह सामान्य है। शुरुआत में जो कार्य शुरू करेंगे वे हर हाल में सप्ताहांत तक पूरे हो जाएंगे। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग मिलेगा जिससे किसी बड़े प्रोजेक्ट को तय समय से पहले पूरा कर दिखाएंगे। इस सप्ताह त्वचा संबंधी रोगों से परेशान रह सकते हैं।

सिंह : सिंह राशि के जातक अक्टूबर के इस अंतिम सप्ताह में थोड़ी मानसिक अस्थिरता महसूस कर सकते हैं। सर्दी-जुकाम, बुखार हो सकता है। हालांकि सप्ताह के मध्य से आपकी सक्रियता बढ़ेगी। कुछ अटके हुए कार्यों को गति देने का प्रयास करेंगे। आर्थिक पक्ष इस सप्ताह कमजोर रहेगा। आय में कमी, खर्च में अधिकता रहेगी।

कन्या : कन्या राशि के विद्यार्थियों को इस सप्ताह कड़ी मेहनत करना होगी। इसके लिए जरूरी होगा समय का सही प्रबंधन करना। चाहे आप नौकरी कर रहे हों या बिजनेस, आप निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बना लेंगे तो जीत जाएंगे। इस राशि के प्रेमियों का सप्ताह सुखद बीतेगा। सेहत के लिहाज से सप्ताह ठीक नहीं रहेगा।

तुला: तुला राशि के जातकों को इस सप्ताह अपनी आय बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। साथ ही खर्चों पर भी कंट्रोल करना होगा। इस सप्ताह परिवार के बुजुर्गों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। आपके स्वास्थ्य में सुधार आएगा। निजी कार्यों से यात्रा करना पड़ सकती है। अविवाहित युवक-युवतियों के विवाह की बात इस सप्ताह में बन सकती है।

वृश्चिक : अक्टूबर का अंतिम सप्ताह कुछ अच्छी खबरें लेकर आ रहा है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, जॉब, बिजनेस, सेहत सभी के लिहाज से यह सप्ताह अच्छा बीतने की संभावना है। जिन जातकों को पिछले कुछ सप्ताह से परेशानियां चल रही हैं, कार्यों में रूकावटें आ रही हैं, वे इस सप्ताह दूर हो जाएंगी।

धनु : बिजनेस के गति पकड़ने का समय आ गया है। अक्टूबर के इस अंतिम सप्ताह से लेकर नवंबर के प्रथम सप्ताह तक का समय उत्तम है। अपने कार्यों को शीघ्रता से करने का प्रयास करें। इसके लिए आपको अधिक मेहनत करने की जरूरत होगी। निजी जीवन में संबंधों को पटरी पर लाने के लिए अपने अहंकार को त्यागना होगा।

मकर : मकर राशि वाले जातक इस सप्ताह मौसमी बुखार, सर्दी-जुकाम से पीड़ित रहेंगी। इस सप्ताह गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी रखने की जरूरत होगी। पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लोन लेना पड़ सकता है। धन संबंधी मामलों में सावधान रहें, कोई व्यक्ति आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकता है।

कुंभ : अक्टूबर का यह माह जाते-जाते खर्चों में बढ़ोतरी कर जाएगा। हालांकि ज्यादातर खर्च खुद की साज-सज्जा, मेकअप, ड्रेसअप पर होगा। नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है, लेकिन इसमें जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग लेना पड़ेगा, यह आपसी साझेदारी के लिए आवश्यक और लाभप्रद भी रहेगा।

मीन : इस सप्ताह बिजनेस टूर, जॉब टूर या पारिवारिक कार्यों से यात्राएं करना पड़ेंगी। नए कार्य व्यवसाय को लेकर योजनाएं बनेंगी लेकिन उनके पूर्ण होने में संदेह रहेगा। धन की कमी के चलते कई कार्य इस सप्ताह अटके रहेंगे। जीवनसाथी के साथ ही परिवार के बुजुर्गों को समय जरूर दें। संतानपक्ष के कार्यों को सराहना और सम्मान मिलेगा।

डॉक्टर: घबरा मत त्रिपाठी, पहला ही सही लेकिन बहुत ही छोटा ऑपरेशन है।
मरीज: थैंक्यू डॉक्टर मगर मेरा सरनेम तिवारी नहीं है।
डॉक्टर: मुझे पता है, त्रिपाठी मेरा सरनेम है।

पिंकी: चोपड़ा अंकल, आप चेमिस्ट हो ना?
अंकल: हां बेटा मगर चेमिस्ट नहीं, केमिस्ट होता है। ch को च नहीं, क बोलो।
पिंकी: ठीक है कोपड़ा अंकल।

पति: कुछ अच्छा खाने का मन कर रहा है, जो तुम सबसे अच्छा बनाती हो, वही बनाओ।
पत्नी: बना लिया।
पति: इतनी जल्दी?
पत्नी: मुंह बनाने में कितना टाइम लगता है।

इंदिरा की पुण्यतिथि पर दिग्विजय को प्रियंका में दिखी उनकी झलक, लोग बोले- आज तो रहने देते!

नई दिल्ली, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की अपनी दादी इंदिरा गांधी से तुलना नई नहीं है। नाक से लेकर साड़ी पहनने के अंदाज में भी राजनीतिक विशेषज्ञ समानताएं ढूंढते रहे हैं। कांग्रेस के भीतर भी प्रियंका को इंदिरा की तरह देखने वाले कम नहीं। वरिष्ठ कांग्रेसी दिग्विजय सिंह ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें शक्ति स्थल पर प्रियंका दिख रही हैं। दिग्विजय लिखते हैं कि उन्हें प्रियंका में इंदिरा की झलक दिखाई देती है। इसके बाद वह इंदिरा को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। यह ट्वीट यूजर्स के लिए दिग्विजय को ट्रोल करने की ताजा वजह बन गया है।

चाटुकारिता की भी हद होती है: यूजर्स

दिग्विजय के इस ट्वीट को कई यूजर्स ने 'चाटुकारिता' करार दिया। दिग्विजय ने एक तरफ प्रियंका में इंदिरा की झलक देखी, दूसरी तरफ उसी ट्वीट में इंदिरा को श्रद्धांजलि दी। इसपर कुछ यूजर्स ने मजे लेने की कोशिश की। कुछ लोगों ने राजवंश से आने वाले दिग्विजय को 'क्षत्रिय धर्म' का पालन करने की सलाह भी दी। कई ने लिखा कि सिर्फ नाक मिलती है, बाकी चेहरा अलग है। कुछ ने दिग्विजय को प्रियंका के दादा फीरोज गांधी की याद भी दिलाई।

मेरी नाक दादी से मिलती है'

प्रियंका गांधी खुद भी कह चुकी हैं कि उनका चेहरा दादी से काफी मिलता-जुलता है। 2009 में लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार करते वक्त उन्होंने कहा था, 'मैं उनके जैसी दिखती हूं। मेरी नाक वैसी है।' 2019 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में प्रचार करने उतरीं प्रियंका की तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं। तब भरी उन्हें कई लोगों ने इंदिरा गांधी जैसा बताया था। उसी साल प्रियंका ने कहा था कि लोग उनमें इंदिरा की झलक इसलिए देखते हैं क्योंकि वो उनकी दादी को अब भी याद करते हैं।

क्या है नूर जहां बेगम केस? जिसके हवाले से कोर्ट ने केवल शादी के लिए धर्म परिवर्तन को अवैध करार दिया

प्रयागराज, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला देते हुए केवल शादी के लिए धर्म परिवर्तन को अवैध करार दिया है। दो अलग धर्म के जोड़े की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने यह आदेश दिया। कुरान का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि इस्लाम में बिना आस्था और विश्वास के केवल शादी करने के उद्देश्य से धर्म बदलना स्वीकार्य नहीं है। यह इस्लाम के खिलाफ है। कोर्ट ने नूर जहां बेगम केस के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कोर्ट ने कहा कि शादी के लिए धर्म बदलना स्वीकार्य नहीं है। इस केस में हिन्दू लड़की ने धर्म बदलकर मुस्लिम लड़के से शादी की थी। इसी फैसले के हवाले से कोर्ट ने मुस्लिम से हिंदू बनकर शादी करने वाली याचिकाकर्ता को राहत देने से इनकार कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी ने प्रियांशी उर्फ समरीन और अन्य की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि एक याची मुस्लिम तो दूसरा हिन्दू है। लड़की ने 29 जून 2020 को हिन्दू धर्म स्वीकार किया और एक महीने बाद 31 जुलाई को विवाह कर लिया। कोर्ट ने कहा कि रेकॉर्ड से साफ है कि शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन किया गया है। आइए जानते हैं कि नूर जहां बेगम केस है क्या, जिसका हवाला देकर कोर्ट ने ऐसी शादी को अवैध करार दिया।

2014 के नूर जहां बेगम उर्फ अंजलि मिश्रा और अन्य केस का हवाला दिया। 6 साल पहले के केस में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस सूर्य प्रकाश केसरवानी ने फैसला देते हुए कुरान की आयतों का जिक्र किया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पुराने ऑर्डर का जिक्र करते हुए कहा था कि आस्था या ईमान में किसी वास्तविक बदलाव के बगैर केवल शादी के लिए ही गैर मुस्लिम का धर्मांतरण करना गैरकानूनी और अमान्य है। कोर्ट ने मुस्लिमों के पवित्र ग्रंथ का जिक्र करते हुए कहा था कि ऐसी शादियां कुरान की आयत 221 सूरा 2 में उल्लिखित बातों के खिलाफ हैं। कोर्ट ने जिक्र करते हुए कहा, 'किसी लड़की या महिला से तब तक शादी मत करो, जब तक वे धर्म में विश्वास ना करें। और ना ही लड़की की शादी गैर विश्वासी व्यक्ति के साथ करें।'केस में यूपी के अलग-अलग जिलों से पांच कपल ने याचिका दायर करते हुए 'शादीशुदा कपल के तौर पर सुरक्षा' की मांग की थी। उन जोड़ों में से लड़के मुस्लिम और लड़कियां हिंदू थीं, जिन्होंने निकाह (शादी) के लिए इस्लाम अपना लिया था। इन सभी ने शादी के एक महीने पहले सितंबर 2014 में काजी के सामने धर्म परिवर्तन किया था।

कोर्ट ने आदेश में कहा, 'याचिकाकर्ता लड़कियों के अनुसार उन्हें इस्लाम के बारे में जानकारी या सच्ची आस्था नहीं है।

केवल शादी के मकसद से उनका धर्म परिवर्तन हुआ। धर्मांतरण के केस में नए धर्म के नियम, रीति और सिद्धांतों में सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए।'

नरेंद्र मोदी के नाम बनाया फर्जी ट्रस्ट, केंद्रीय मंत्रियों-सांसदों तक से मांगे फंड, प्रबंधक समेत 3 अरेस्ट

वाराणसी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से फर्जी ट्रस्ट बनाने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उप निबंधन सदर द्वितीय के शिकायत पर इस मामले में ट्रस्ट के प्रमुख अजय पांडेय समेत 10 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ था। मुकदमा दर्ज होने का बाद पुलिस ने इस मामले में छानबीन शुरू की और दुर्गाकुंड स्थित दयाल टॉवर से ट्रस्ट के प्रमुख अजय पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद पुलिस ने इस मामले में दो अन्य अभियुक्त रवींद्रनाथ पांडेय और शाहबाज को भी गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय मंत्री और सांसदों से मांगा था फंड

जानकारी के मुताबिक अजय पाण्डेय ने पीएम मोदी के नाम बनाए गए फर्जी ट्रस्ट 'आदर्श नरेंद्र दामोदर दास मोदी जन कल्याणकारी' के लेटर हेड पर पीएमओ, कई केंद्रीय मंत्री के अलावा 100 से अधिक सांसदों को पत्र भेजा। पत्र में वाराणसी के पिंडरा में पीएम मोदी के नाम से विश्वविद्यालय बनाने की बात कहकर उनसे फण्ड की डिमांड की गई थी।

डीएम से मांगी थी जमीन

पुलिस सूत्रों की माने तो अजय पांडेय ने वाराणसी के डीएम को भी पत्र लिखकर पिंडरा विधानसभा में लगभग 160 एकड़ जमीन मांगी थी। ट्रस्ट के पत्र का उत्तर नहीं दिए जाने पर अजय पांडेय ने पीएमओ और सीएम पोर्टल पर इसकी शिकायत भी की थी। एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में कैंट इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में तीन शख्स को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। सात अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम जुटी है।

रजिस्ट्रार ऑफिस भी जिम्मेदार!

पीएम ने नाम पर फर्जी ट्रस्ट बनाने में जितने दोषी अजय पांडेय है उतना ही गुनाह रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारियों का भी है। सवाल यह है कि आखिर अजय पांडेय ने रजिस्ट्रार ऑफिस के किन कर्मचारियों से मिलकर इतने बड़े फर्जीवाड़े को अंजाम दिया?

कोरोना को हराने वालों की संख्या 75 लाख के करीब, देश के 18 राज्यों में बेहतर है मरीजों की रिकवरी

नई दिल्ली, भारत में कोरोना वायरस मरीजों की संख्या 81 लाख के पार हो गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में कुल 81,37,119 मामले हैं जिनमें से 5,82,649 सक्रिय हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 48,268 नए मामले सामने आए और 551 मरीजों की मौत हुई। कोविड-19 से मौतों का आंकड़ा बढ़कर 1,21,641 हो गया है। शुक्रवार के मुकाबले ऐक्टिव मामलों में 11,737 की कमी आई है। पिछले 24 घंटों में 59,454 मरीज ठीक हुए जिसके बाद रिकवर हो चुके लोगों की संख्या 74,32,829 पहुंच गई है।

कोरोना से मृत्यु-दर अब 1.5% से कम भारत में कोविड-19 की मृत्यु-दर 1.49% हो गई है। करीब 75 लाख मरीजों के ठीक होने से रिकवरी रेट 91.34% हो गया है। देश में अबतक सामने आए कुल 81,37,119 मामलों में से 7.16% (5,82,649) अब भी सक्रिय हैं। MoHFW के अनुसार, सबसे ज्यादा केसलोड वाले राज्यों में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश हैं। कोरोना से निपटने में कुछ राज्यों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कई ऐसे केंद्रशासित प्रदेश और राज्य हैं जहां कोविड का रिकवरी रेट नैशनल एवरेज से कहीं ज्यादा है। दमन और दीव में रिकवरी रेट 98.5 पर्सेंट के करीब हो गया है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु में भी रिकवरी रेट 95% से ज्यादा है।

दूसरे-तीसरे फेज में निर्णायक होगी महिला वोटरों की भूमिका, 100 से ज्यादा सीटों पर पड़ेगा असर

पटना, बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण की वोटिंग संपन्न हो गई है। इसी के साथ सभी प्रमुख सियासी दल दूसरे और तीसरे चरण को लेकर चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बाकी बचे दो फेज में जिन सीटों पर चुनाव हैं, वहां महिला मतदाताओं की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है। ये हम नहीं कह रहे बल्कि पिछले चुनाव के आंकड़े ये खुलासा कर रहे हैं। पहले चरण में 71 सीट पर वोटिंग संपन्न होने के बाद अब दो चरण में 172 सीटों पर मतदान होना है। पिछले चुनाव के ट्रेंड देखें तो इनमें से 100 से ज्यादा सीटों पर महिला मतदाताओं ने जमकर वोटिंग की थी और मतदाताओं की जीत-हार में अहम भूमिका निभाई थी। पिछले चुनाव में महिला वोटरों ने जमकर किया था मतदान बिहार चुनाव में महिला मतदाता अकसर निर्णायक भूमिका निभाती रही हैं। पिछले चुनाव की बात करें तो महिला मतदाता बड़ी संख्या में वोटिंग के लिए आगे आई थीं। 2015 विधानसभा चुनाव में कुल मिलाकर 56.66 फीसदी वोटिंग हुई थी, जिसमें 53.32 फीसदी पुरुष और 60.32 फीसदी महिला मतदाताओं ने वोटिंग की थी। उस समय पहले फेज में पुरुषों ने सबसे ज्यादा वोट किया, जबकि दूसरे और तीसरे चरण में महिला वोटरों ने अहम भूमिका निभाई। इस बार भी पहले चरण में पुरुष वोटरों का प्रतिशत ज्यादा रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि दूसरे और तीसरे चरण में महिलाएं पुराने ट्रेंड को आगे बढ़ाते हुए जमकर वोटिंग करती हुई नजर आ सकती हैं।

ISRO की एंट्रिक्स कॉर्प को बड़ा झटका, देवास मल्टीमीडिया को देना होगा 1.2 बिलियन डॉलर हर्जाना

नई दिल्ली, भारतीय स्टार्ट-अप देवास मल्टीमीडिया ने एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन के खिलाफ नौ साल चली कानूनी लड़ाई जीत ली है। एंट्रिक्स कॉर्प, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की व्यवसायिक इकाई है। एक अमेरिकी अदालत ने 2005 के सैटलाइट सौदा मामले में देवास मल्टीमीडिया को 1.2 बिलियन डॉलर का मुआवजा देने का आदेश दिया है। 27 अक्टूबर के आदेश में, डिस्ट्रिक्ट जज थॉमस जिली ने कहा कि एंट्रिक्स को देवास को 562.5 मिलियन डॉलर का मुआवजा और चुकाना होगा। ब्याज वगैरह मिलाकर यह रकम कुल 1.2 बिलियन डॉलर हो जाती है।

2005 में हुई डील 2011 में टूटी, अदालत पहुंचा मामला

जनवरी 2005 में हुए समझौते के अनुसार, एंट्रिक्स ने दो सैटेलाइट-GSAT6 और GSAT-6A बनाने, लॉन्च करने और ऑपरेट करने पर सहमति जताई थी। इन दो सैटेलाइट्स के अलावा देवास को 70 मेगाहर्ट्ज का S बैंड स्पेक्ट्रम भी मुहैया कराना था। कंपनी इसका इस्तेमाल पूरे भारत में हाइब्रिड सैटेलाइट और टेरेस्ट्रियल कम्युनिकेशन सेवाओं के लिए करने वाली थी। 2011 में एंट्रिक्स ने सौदा रद्द कर दिया। इसके बाद इसरो के पूर्व साइंटिफिक सेक्रेटरी एमजी चंद्रशेखर के नेतृत्व वाली देवास ने सुप्रीम कोर्ट और कई अंतरराष्ट्रीय अदालतों का रुख किया था। कंपनी का कहना था कि एंट्रिक्स ने 'गलत तरीके से' सौदा रद्द किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, बच्चे का अधिकार सर्वोपरि रखते हुए मां को दी कस्टडी

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई में अपने विशेषाधिकार का प्रयोग किया और अनुच्चेद-142 का इस्तेमाल करते हुए कहा कि बच्चे का हित सर्वोपरि है। दरअसल एक मामले में बच्चे के पिता बेंगलूर में रहते हैं और मां सिंगापुर में नौकरी करती हैं। सुप्रीम कोर्ट को तय करना था कि बच्चे की कस्टडी बेंगलूर में पिता के पास रहे या फिर उसे सिंगापुर में मां की कस्टडी में दिया जाए? सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को तय करने के लिए उसे सिंगापुर में मां की कस्टडी में भेजने को कहा लेकिन साथ ही कहा कि पिता अपने बच्चे से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात करेंगे और उन्हें विजिटिंग अधिकार भी दिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में याचिकाकर्ता महिला से कहा कि वह कोर्ट में अंडरटेकिंग दें कि वह कोर्ट द्वारा तय शर्त का पालन करेंगी।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बच्चे ने संकेत दिया कि वह अपनी मां के साथ सिंगापुर में रहना चाहता है लेकिन साथ ही वह अपने पिता से भी अटैच है। याचिकाकर्ता महिला सिंगापुर में रहती हैं और वहां कंपनी में काम करती हैं। इस मामले में बच्चे की उम्र 7 साल है और बच्चे का हित सर्वोपरि है।

'बच्चे के पिता का विजिटिंग राइट्स भी जरूरी'

सुप्रीम कोर्ट इसे देखते हुए अनुच्छेद-142 का इस्तेमाल करती है और केस की पेंडेंसी के दौरान बच्चे के हित और बेहतरी को देख रही है। बताया गया है कि कोविड 19 से सिंगापुर फ्री हो चुका है और वह वहां क्लास अटैंड और ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेगा। इस मामले में संतुलन कायम रखना होगा और बच्चे के पिता का विजिटिंग राइट्स भी जरूरी है। मामले में पैरेंट्स के बीच के टकराव की स्थिति में बच्चे के मन में सुरक्षा की भावना रहे इसके लिए संतुलन जरूरी है और बच्चे के हित को सर्वोपरि सुनिश्चित करना अनिवार्य है

ताकि दोनों पैरेंट्स की उपस्थिति में बच्चे का विकास हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मत है कि बच्चे को सिंगापुर ले जाने की इजाजत है जहां उसकी मां रहती हैं और नौकरी करती हैं।

मां के साथ रहेगा बच्चा

सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले में कहा कि हम हाई कोर्ट के उस आदेश को खारिज करते हैं जिसमें हाई कोर्ट ने बच्चे की मां को बेंगलूर से बाहर बच्चे को ले जाने की इजाजत नहीं दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि बच्चे की मां को इजाजत है कि वह बच्चे को सिंगापुर ले जा सकती है जहां वह रहती हैं। बच्चे की मां (याचिकाकर्ता) बच्चे का वहां के स्कूल में दाखिला कराएंगी और बच्चे को ले जाने का इंतजाम करेंगी। बच्चे के पिता 48 घंटे के दौरान बच्चे के पासपोर्ट याचिकाकर्ता को सौंपेंगे।

पिता को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात करने की मिली इजाजत

बच्चे के पिता को इजाजत होगी कि वह विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये शनिवार और रविवार को अपने बच्चे के एक घंटे बात कर सकेंगे और बाकी के पांच दिन पांच से 10 मिनट बात करेंगे। जब वह छुट्टी में सिंगापुर जाएंगे तो आधी छुट्टी के दौरान 10 बजे सुबह से शाम छह बजे तक बच्चे से मिल सकेंगे। बच्चे को उसकी मां साल में दो बार बेंगलूर लेकर आएंगी और इस दौरान पिता को मिलने की इजाजत होगी। साथ ही गर्मी की छुट्टियों में अगले साल 2021 में जब बच्चे को लेकर उसकी मां बेंगलूर लेकर आएंगी तो पिता उस दौरान उससे मिल सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इन शर्तों के बारे में याचिकाकर्ता महिला को अंडरटेकिंग देने को कहा।

अदालत ने कहा कि जब तक केस पेंडिंग है तब तक ये आदेश प्रभावी रहेगा।

बच्चे की कस्टडी के लिए शुरू हुई लड़ाई

पेश मामले में याचिकाकर्ता महिला की शादी 2009 में हुई थी। पति बेंगलूर में रहते हैं। 2013 में बच्चे का जन्म हुआ। बाद में पति-पत्नी के बीच वैवाहिक विवाद हुआ और इसके बाद दोनों 2016 से अलग रहने लगे। इसी बीच पत्नी ने बेंगलूर की अदालत में तलाक की अर्जी दाखिल की और वह पेंडिंग है। साथ ही उन्होंने डीवी एक्ट के तहत भी केस दायर किया जो पेंडिंग है। 2017 से वह सिंगापुर में नौकरी कर रही है। जुलाई 2017 में महिला ने बच्चे का पासपोर्ट मांगा और इसके लिए अर्जी दाखिल की। पति ने इसका विरोध किया। साथ ही बच्चे की कस्टडी को लेकर दोनों में कानूनी लड़ाई शुरू हुई।

महिला ने खटखटाया था सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

बेंगलूर की फैमिली कोर्ट ने 4 जनवरी 2018 को पासपोर्ट की मांग वाली महिला की अर्जी खारिज कर दी और पति की उस अर्जी को स्वीकार कर लिया जिसमें कहा गया था कि महिला बेंगलूर से बाहर बच्चे को न ले जाएं। यानी बेंगलूर से बाहर बच्चे को ले जाने पर कोर्ट ने मनाही कर दी। महिला ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी और बेंगलूर से बाहर बच्चे को ले जाने पर रोक के फैसले को बरकरार रखा। फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

फ्रांस में आतंकी हमलों पर विदेश सचिव बोले, किसी एक का किया-धरा नहीं, चरमपंथ का पूरा जाल है

नई दिल्ली, अपने फ्रांस दौरे पर विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में देरी न करने को कहा है। उन्होंने नीस और पेरिस में हुए आतंकी हमलों को भयावह करार देते हुए कहा कि भारत फ्रांस के साथ खड़ा है। श्रृंगला ने कहा कि यह जताना कि ये किसी एक का किया-धरा है या भटकाए हुए किसी व्यक्ति की कारस्तानी है, संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि "चरमपंथ का एक पूरा तंत्र है, उसके कुछ ऑनलाइन स्वरूप भी हैं जो अपना असर दिखाते हैं। कई देश और संस्थाएं उनका समर्थन करती हैं। आप जानते हैं कि वो कौन हैं। हम उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकते और हमें करना भी नहीं चाहिए।" श्रृंगला ने कहा कि आतंकवाद और उसे बढ़ावा देना वाला चरमपंथ, दोनों मिलकर सेंसरशिप के सबसे खतरनाक रूप हैं। अपने फ्रांस दौरे पर विदेश सचिव ने शिक्षाविदों से लेकर मीडिया और थिंक टैंक्स से बातचीत की है। उन्होंने जोर दिया कि आतंकवाद को देशों और संस्थाओं का समर्थन मिलने से लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और साझा आदर्शों को खतरा है। 'तीन दशकों में दुनिया ने देखा कट्टरपंथ का कहर' विदेश सचिव ने कहा कि 'कट्टरपंथी विचारधारा हिंसा और अलगाववाद को बढ़ावा देती है, जो अक्सर विदेशी प्रभाव से संचालित और समर्थित होती है।' उन्होंने कहा कि ऐसी ताकतें बहुलतावादी समाजों को अस्थिर करती हैं। श्रृंगला के मुताबिक, "पिछले तीन दशकों से, हमने अनुभव किया है कि बेलगाम कट्टरपंथी किस तरह से कहर बरपा सकते हैं। सभ्य दुनिया को इस पर एक साथ काम करने और दृढ़ता के साथ इससे निपटने की जरूरत है।" तीन देशों के दौरे का पहला पड़ाव है फ्रांस

श्रृंगला ने शुक्रवार को फ्रांस की अंतरराष्ट्रीय संबंध और रणनीति महानिदेशक (DGRIS) एलिस गुइटन के साथ मीटिंग की थी। इसमें दोनों के बीच भारत-प्रशांत क्षेत्र एवं समुद्री सुरक्षा, रक्षा साझेदारी और क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग पर चर्चा हुई। श्रृंगला अपने सप्ताह भर के तीन देशों के यूरोप दौरे के पहले चरण में फ्रांस में हैं। फ्रांस से वह जर्मनी और ब्रिटेन की यात्रा करेंगे। श्रृंगला ने शुक्रवार को यूरोप और विदेश मामलों के फ्रांसीसी मंत्रालय के महासचिव फ्रेंकोइस डेलाट्रे के साथ भी मुलाकात की।

SPORTS खेल जगत

केएल राहुल ने रचा इतिहास, कोहली के बाद ऐसा करने वाले बने दूसरे भारतीय बल्लेबाज

इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन में जबर्दस्त फॉर्म में चल रहे किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान केएल राहुल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली 41 गेंदों में 46 रनों की पारी के साथ ही इस सीजन अपने 600 रन पूरे कर लिए हैं। आईपीएल 2020 की ऑरेंज कैप भी इस समय केएल राहुल के पास ही है। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान खुद को एक खास मामले में विराट कोहली की लिस्ट में शामिल कर लिया है। केएल राहुल ने इस सीजन खेले 13 मैचों में अबतक 130.54 के स्ट्राइकर रेट से 641 रन बनाए हैं, इस दौरान उन्होंने एक सेंचुरी और 5 हाफसेंचुरी भी लगाई है। राहुल विराट कोहली के बाद आईपीएल में दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने इस फटाफट लीग के दो सीजनों में 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। केएल ने साल 2018 में खेले गए आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब की तरफ से खेलते हुए 14 मैचों में 659 रन बनाए थे। विराट कोहली ने साल 2013 और 2016 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की तरफ से खेलते हुए 600 से अधिक रन बनाए थे। आबुधाबी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मैच में राहुल ने 46 रनों की पारी खेली और दूसरे विकेट के लिए क्रिस गेल के साथ 120 रनों की पार्टनरशिप की, जिसके चलते किंग्स इलेवन पंजाब की टीम 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान 185 रन बनाने में कामयाब रही। हालांकि, बेन स्टोक्स (50) और संजू सैमसन (48) की तेज तर्रार पारी की बदौलत राजस्थान ने इस लक्ष्य को 17.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

कुमार संगकारा ने बताया, किस वजह से IPL से बाहर हो सकती है दिल्ली कैपिटल्स

यूएई में जारी आईपीएल अब अपने अंतिम चरण में हैं। 56 में से 50 लीग मैचों के बाद अब तक सिर्फ चार बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर पाई है। टूर्नामेंट में अब तक बस चेन्नई सुपर किंग्स ही पूरी तरह से बाहर हुई है। मुंबई इंडियंस इस समय प्वॉइंट टेबल में सबसे ऊपर है। दूसरे और तीसरे नंबर पर क्रमश: रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स हैं। इस बीच श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने कहा है कि आखिरी चरण के मैचों में टॉप ऑर्डर के लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल प्लेऑफ से बाहर रहना पड़ सकता है।

पहले चरण में शानदार प्रदर्शन के बाद दिल्ली लगातार तीन हार के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई। उसे प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए आखिरी दोनों लीग मैच जीतने होंगे। संगकारा ने स्टार स्पोर्टस के शो 'क्रिकेट लाइव' पर कहा, "मैं दिल्ली कैपिटल्स को लेकर चिंतित हूं। पिछले कुछ मैचों में उनके बल्लेबाज नहीं चल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली की टीम टॉप ऑर्डर पर काफी निर्भर है।

बाकी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना पा रहे हैं। पता नहीं वह अंतिम चार में क्वालीफाई कर सकेगी या नहीं।

उन्होंने कहा कि मुंबई पहुंच ही चुकी है और मुझे लगता है कि आरसीबी भी पहुंच जाएगी। मुझे

लगता है कि किंग्स इलेवन पंजाब भी अंतिम चार में होगी। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि चौथे स्थान के लिए पंजाब और राजस्थान में कड़ा मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली, आरसीबी और मुंबई के अलावा चौथे स्थान के लिए मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और पंजाब में होगा।

राजस्थान के खिलाफ मिली हार के बाद प्रीति जिंटा ने बढ़ाया टीम का हौसला

पांच मैचों में लगातार जीत दर्ज करने के बाद किंग्स इलेवन पंजाब (Kings XI Punjab) की टीम को आईपीएल 2020 (I P L 2020) के 50वें मैच में राजस्थान रॉयल्स (Rajasthan Royals) के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पंजाब की इस हार ने आईपीएल 2020 के प्वॉइंट्स टेबल को काफी रोमांचक बना दिया है। पंजाब को अभी एक मैच और खेलना है और प्लेऑफ में पहुंचने के लिए टीम को हर हाल में उस मैच में जीत दर्ज करनी होगी। किंग्स इलेवन पंजाब की को-ओनर प्रीति जिंटा ने राजस्थान के खिलाफ हार के बाद टीम का हौसला बढ़ाया है। पंजाब की को-ओनर प्रीति जिंटा ने ट्विटर पर लिखा, 'एक खराब दिन हम कौन हैं इस बात को साबित नहीं करता है। हम अभी भी इसको कर सकते हैं।

उम्मीद है किंग्स इलेवन पंजाब की टीम आज की हार को पीछे छोड़कर आगे आने वाले मैच पर फोकस करेगी। यह टूर्नामेंट बहुत सारी टीमों के लिए खुला हुआ है, तो जिसको सबसे ज्यादा चाहत होगी, उसको ही दूसरे प्लेऑफ में जगह मिलेगी।

फिंगर क्रॉस।'

क्रिस गेल की बैटिंग के फैन हुए वीरेंद्र सहवाग, बताया 'एंटरटेनमेंट का बाप'

आईपीएल के 13वें सीजन के 50वें मैच में किंग्स इलेवन पंजाब को भले ही राजस्थान रॉयल्स के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन राजस्थान के खिलाफ 99 रनों की आतिशी पारी खेलने वाले क्रिस गेल खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने क्रिस गेल की जमकर तारीफ की है और उनको एंटरटेनमेंट का बाप बताया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आबुधाबी में खेले गए मैच में क्रिस गेल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए महज 63 गेंदों में 6 चौके और 8 लंबे छक्कों की मदद से 99 रनों की तूफानी पारी खेली। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग क्रिस गेल की इस पारी के फैन हो गए हैं और उन्होंने गेल की तारीफ करते हुए ट्विटर पर लिखा, 'टी20 का ब्रैडमैन

-क्रिस गेल, बिना किसी संदेह के अभी तक हुए महानतम बल्लेबाज क्रिस गेल। एंटरटेनमेंट का बापा' गेल अबतक इस सीजन पहले ही मैच से जबर्दस्त फॉर्म में दिखाई दिए हैं, पंजाब की टीम ने गेल को शुरुआती मैचों में प्लेइंग XI में शामिल नहीं किया था। गेल ने आईपीएल 2020 में खेले 6 मैचों में अबतक 144.50 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 276 रन बनाए हैं। राजस्थान के खिलाफ खेले गए मैच में गेल ने टी20 क्रिकेट में अपने 1000 सिक्स भी पूरे किए, वो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज हैं।

देश परदेश

भारत-अमेरिका की दोस्ती देख फिर पाकिस्तान को लगी मिर्ची, इमरान बोले- कभी भी धधक सकता है कश्मीर

भारत और अमेरिकी की बढ़ती नजदीकियां पाकिस्तान को कभी रास नहीं आई हैं। हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो के भारत दौरे से तिलमिलाए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक तरह से अमेरिका को चेताया है और कहा कि जम्मू और कश्मीर एक हॉटस्पॉट बन चुका है और यह कभी भी धधक (भड़क) सकता है। इसलिए अमेरिका को कश्मीर में भारत द्वारा उठाए गए कदमों पर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी है कि यह क्षेत्र एक हॉटस्पॉट है जो किसी भी समय धधक सकता है। पाकिस्तान संयुक्त राज्य अमेरिका से 'समान' व्यवहार का आग्रह करता है। ऐसा माना जा रहा है कि इमरान खान का यह बयान कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने और राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के संदर्भ में है।

जर्मन मैग्जीन के साथ बातचीत में इमरान खान ने कहा कि अमेरिका को यह लगता है कि भारत इस क्षेत्र में चीन के प्रभाव को सीमित कर सकता है, मगर यह कोरी कल्पना है। इमरान ने कहा कि इस्लामाबाद अमेरिका से भारत के संबंध में विशेष रूप से कश्मीर मसले पर समान ट्रीटमेंट की अपेक्षा करता है। भारत-अमेरिकी की दोस्ती से पाकिस्तान को ऐसी मिर्ची लगी कि उसने भारत को पड़ोसी देशों के लिए खतरा बता दिया। इमरान खान ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'भारत अपने पड़ोसी देशों मसलन चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका के लिए खतरा है, यहां तक कि हमारे लिए भी।' इमरान ने भारत पर आरोप लगाया कि यह उपमहाद्वीप में सबसे चरमपंथी नस्लवादी सरकार है। यह 1920 और 30 के दशक में नाजियों से प्रेरित एक फासीवादी राज्य है। कश्मीर के संदर्भ में इमरान खान ने कहा कि यह क्षेत्र एक हॉटस्पॉट है, जो किसी भी समय भड़क सकता है। इसलिए दुनिया के सबसे मजबूत देश अमेरिका से हम यह उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में जो भी राष्ट्रपति बने, उसे यह मसला सौंपा जाए। भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस पर हमला बोलते हुए इमरान खान ने कहा कि आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लेखन को पढ़ें, उन्होंने हिटलर की खुलकर प्रशंसा की है। नाजियों ने यहूदियों से छुटकारा पाना चाहा और आरएसएस मुसलमानों के भारत से छुटकारा चाहता था।

कश्मीर मसले पर निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। पाकिस्तान के जियो टीवी ने इस बात की जानकारी दी है। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री पोम्पियो रक्षा मंत्री मार्क टी. एस्पर संग सोमवार को भारत के साथ 2+2 के तीसरे दौर की वार्ता के लिए भारत आए थे, जिस दौरान कई अहम समझौतों पर दस्तखत भी हुए। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-

फ्रांस में दोबारा लॉकडाउन का ऐलान होते ही पेरिस की सड़कों पर लग गया 700 KM लंबा जाम

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए फ्रांस में दूसरे लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई। सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर से लड़ने के लिए ये कदम उठाया है। फ्रांस में गुरुवार शाम को लॉकडाउन की घोषणा हुई जिसके बाद से लोगों में हलचल मच गई। इसके बाद फ्रांस की राजधानी पेरिस में 700 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जान देखने को मिला। लोग अपना सामान लेकर अपने परिवार-दोस्तों के पास और जरूरी सामान खरीदने के लिए जा रहे थे। आस-पास के इलाकों को जोड़कर देखते हैं तो मालूम चलता है। ये जाम 700 किलोमीटर तक लंबा था। कहा जा रहा है इस लंबे जाम का कारण लगने वाला नया लॉकडाउन था। जिसकी वजह से लोगों को एक महीने तक अपने घर के अंदर रहना होगा।

लोग इस घोषणा के प्रभावी होने से पहले ही अपनी गाड़ियां उठाकर निकल पड़े। जिस कारण ये जाम लग गया। जाम लगने का दूसरा बड़ा कारण था इस वीकेंड पर पड़ने वाला सेंट्स डे हॉलीडे। इसलिए लोगों ने जाने में ज्यादा तेजी दिखाई। फ्रांस में चिंताएं बढ़ रही थी कि बढ़ता संक्रमण देश की स्वास्थ्य प्रणाली को प्रभावित करेगा। इसलिए अधिकारियों ने शुक्रवार से चार सप्ताह के लॉकडाउन का आदेश दिया। इस दौरान जो सबसे ज्यादा व्यस्त जगहें थीं, वो किराना स्टोर और बाजार थे क्योंकि लोगों ने भोजन और अन्य आवश्यकताओं का स्टॉक किया था। फ्रांस के सभी 6,7 करोड़ लोगों को हर समय घर पर रहने का आदेश दिया गया है। इस दौरान कोई भी आने-जाने वाला किसी के घर नहीं जा सकता है। हां लेकिन घर के 1 किलोमीटर के भीतर एक दिन के व्यायाम के लिए एक घंटे के लिए बाहर जाने की अनुमति दी जा सकती है। इसके अलावा अस्पताल, काम की जगहों और जरूरी सामान खरीदने के लिए बाहर जाया जा सकता है। रेस्तरां और कैफ़े बंद कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने गुरुवार को कहा, "दोस्तों के घरों में जाना, दोस्तों के पास जाना और निर्धारित कारणों के अलावा किसी भी चीज के लिए घूमना" असंभव होगा। कई लोगों के लिए मुश्किल की घड़ीमैक्सिको से आई मशहूर ब्यूटी ब्रांड लोरियल में इंटर्न के तौर पर काम करने

वाली 28 साल की लौरा बेइमबर्ग ने कहा, यह अच्छा नहीं है मैंने अपने देश को दूसरे देश में रहने का अनुभव लेने के लिए छोड़ा था और परिवार और दोस्तों से दूर चार दीवारों के बीच होने का यह अनुभव बहुत कठिन है।" फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने देश भर में संक्रमणों में तेजी से वृद्धि को रोकने के लिए एक अंतिम उपाय के रूप में लॉकडाउन को लागू किया, जहां नए दैनिक मामले वर्तमान में लगभग 50,000 हैं। लेकिन फ्रांस अकेला नहीं है। इसके कई यूरोपीय पड़ोसी बढ़ते संक्रमण का सामना कर रहे हैं. कुछ देशों मे संक्रमण पहले से भी ज्यादा तेज गति से फैलता दिखा है। बेल्जियम में भी आने वाले संक्रमण मामलों की संख्या प्रति 100,000 लोगों पर 150 है। फ्रांस में ये संख्या 62 है। बेल्जियम सरकार शुक्रवार को बैठक करेगी जिसमें हालात पर विचार करके लॉकडाउन के बार में सोचा जा सके।

तुर्की में शक्तिशाली भूकंप से अब तक 17 की मौत, 709 घायल, तस्वीरों में देखें कैसे ताश के पत्तों की तरह ढहीं इमारतें

तुर्की और यूनान के तट के बीच आए शक्तिशाली भूकंप में तुर्की में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 709 लोग घायल हो गए। तुर्की के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने इस बात की पुष्टि की है। बचाव और राहत कार्य में चिकित्सा बचाव टीमें इजमिर में काम में जुटी हैं। तुर्की जमीन के भीतर मौजूद बड़ी फॉल्ट लाइन के ऊपर बसा देश है और इस कारण इसकी गिनती उन देशों में होती है जहां सबसे अधिक भूकंप आते हैं। इमारतें जमींदोज हुईं यूरोपीय-मूध्यसागर भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि शुरुआत में रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7 थी और इसका केंद्र यूनान के उत्तर-उत्तरपूर्व में सामोस द्वीप में था। वहीं, अमेरिका के भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 7.0 थी। तुर्की के तट और यूनान के सामोस प्रायद्वीप के बीच आए इस शक्तिशाली भूंकप के चलते पश्चिमी तुर्की के इजमिर प्रांत में कई इमारतें जमींदोज हो गईं। यूनान के सामोस में भी कुछ नुकसान हुआ है। इजमिर में मलबे के अंदर और लोग दबे हुए हैं। भूकंप का केंद्र एजियन सागर तुर्की के आपदा एवं आपात प्रबंधन विभाग ने कहा कि भूकंप का केंद्र एजियन सागर में 16.5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप की तीव्रता 6.6 दर्ज की गई है। विभाग ने कहा कि उसने खोज एवं बचाव टीमों को इजमिर भेजा है। तुर्की की मीडिया में मध्य इजमिर में बहुमंजिला इमारत का मलबा दिखाया गया है। इसके अलावा बचावकर्मी भी तैनात दिखाई दे रहे हैं। मध्य इजमिर में कई जगह धुंआ उठने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। यूनान की मीडिया ने कहा कि भूकंप के दौरान सामोस और अन्य प्रायद्वीपों के निवासी अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर भागे। ग्रीस के सामोस द्वीप पर भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। लोगों से समुद्र के किनारों पर नहीं जाने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि भूकंप का केंद्र ग्रीस के इस द्वीप के नजदीक है। इसलिए यहां भारी नुकसान पहुंचने की खबरें आ रही हैं।

Bigg Boss 14: नेपोटिज्म पर खुलकर बोले सलमान खान, कहा- जिसमें बात होगी वह ही चलेगा

बिग बॉस में इस हफ्ते नेपोटिज्म को लेकर काफी विवाद हुआ। राहुल वैद्य ने जान कुमार सानू को नेपोटिज्म प्रोडक्ट बताया था। अब वीकेंड का वार में सलमान खान,

राहुल के इस कमेंट पर उनकी क्लास लगाएंगे। दरअसल शो का प्रोमो सामने आया है जिसमें सलमान, राहुल से पूछते हैं आपके सिंगिंग के ट्यूशन फीस किसने भरी?

फिर वह जान से पूछते हैं, जान आपके पापा ने कितनी जगह आपके लिए काम मांगा? जान कहते हैं, कभी नहीं सर। सलमान, राहुल से पूछते हैं आपका बच्चा सिंगर बनेगा तो उसे नेपोटिज्म कहोगे।

फिर सलमान कहते हैं, अगर मेरे पापा मेरे लिए कुछ करते हैं तो क्या उसे नेपोटिज्म कहेंगे?

जिसमें बात होगी वह ही चलेगा, इस प्लैटफॉर्म में नेपोटिज्म का मुद्दा लाने की जरूरत नहीं।

जान की मां ने कही थी यह बात

जान की मां रीता ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपने काम की बदौलत शो में हैं। उन्होंने जान पर राहुल वैद्य के बयान को अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा था,

'अगर राहुल को लगता है कि जान शो में नेपोटिज्म के कारण हैं तो दोनों एक ही प्लैटफॉर्म पर कैसे आ गए? राहुल के अनुसार अगर इनसाइडर और आउटसाडर में डिफ्रेंस है तो वह उस प्लैटफॉर्म पर कैसे आ गए जहां मेरा बेटा है?'

'जान के पिता कुमार सानू ने अभी तक लगभग 23 हजार गाने गए हैं, ऐसे में उनका बेटा होने के नाते जान को पिता के सपोर्ट से कम से कम 23 सॉन्ग गाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि जान ने जो कुछ भी अचीव किया है अपनी बदौलत किया है। इसके अलावा रीता ने यह सवाल किया कि जब जान के गाने की वजह से उन्हें टास्क जीतने में मदद मिली थी तब वह नेपोटिज्म को कैसे भूल गए थे।'

अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की फिल्म का नए नाम 'लक्ष्मी' के साथ जारी हुआ पोस्टर

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की फिल्म लक्ष्मी बम का हाल ही में नाम बदलकर 'लक्ष्मी' कर दिया गया है। अब इस फिल्म का नया पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें अक्षय और कियारा नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही पोस्टर पर फिल्म बदला हुआ टाइटल 'लक्ष्मी' लिखा हुआ है। इस पोस्टर को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है।

मालूम हो कि सोशल मीडिया पर फिल्म के 'लक्ष्मी बम' टाइटल को लेकर काफी विवाद हो गया था और कई लोग #BanLaxmiBomb सोशल मीडिया पर ट्रेंड करवाकर इसके बहिष्कार की अपील कर रहे थे। राघव लॉरेंस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 29 अक्टूबर को सेंसर सर्टिफिकेट के लिए गई थी। स्क्रीनिंग के बाद निर्माताओं ने सीबीएफसी (CBFC) के साथ चर्चा की थी और फिर फिल्म का नाम बदलने का फैसला किया था। फिल्म के टाइटल के विरोध में मुकेश खन्ना भी उतर आए थे और सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया था। मुकेश खन्ना ने लिखा था, 'लक्ष्मी के आगे बम जोड़ना शरारत से भरा लगता है। कमर्शियल फायदे की सोच लगती है, क्या इसे अनुमति देनी चाहिए? यकीनन नहीं! क्या आप अल्लाह बम या बदमाश जीसस फिल्म का नाम रख सकते हैं? यकीनन नहीं! तो फिर लक्ष्मी बम कैसे!' बताते चलें कि फिल्म ओटीटी प्लैटफॉर्म डिज़्नी+ हॉटस्टार पर 9 नवंबर को रिलीज होगी। इसे केप ऑफ गुड फिल्म्स, तुषार एंटरटेनमेंट हाउस और शबीना एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का निर्देशन राघव लॉरेंस ने किया है। यह तमिल की सुपरहिट फिल्म मुनी 2 का हिंदी रीमेक है।

शिल्पा शिंदे 'बिग बॉस' के घर में नहीं आएंगी नजर, बोलीं- मूव ऑन कर चुकी हूं

रिएलिटी शो बिग बॉस 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में खबरें आई थीं कि शिल्पा दिवाली के मौके पर शो में नजर आएंगी। अब उन्होंने इन खबारों को खारिज कर दिया है। शिल्पा ने कहा कि वह बिग बॉस से मूव ऑन कर चुकी हैं। उन्हें रिपीट करना पसंद नहीं है। ई-टाइम्स से बात करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मैं बिग बॉस 14 में नहीं जा रही हूं। मैं अभी किसी बड़ी चीज में व्यस्त हूं। और जैसा कि मैंने हमेशा मेंटेन किया है कि मैं इस शो से मूव ऑन कर चुकी हूं। मैं हमेशा अलग चीजें करना पसंद करती हूं। मुझे रेपिटिशन पसंद नहीं है। लोगों ने मुझे अलग-अलग अवतारों में देखा है, जैसे अंगूरी और अन्य। अब मेरा अगला अवतार एक बार फिर आपको सरप्राइज कर देगा।' शिल्पा शिंदे ने आगे कहा, 'आखिर बात, जो कम महत्वपूर्ण नहीं है कि बिग बॉस के पूर्व कंटेस्टेंट्स शो में दोबारा क्यों आते हैं। मैं पूछना चाहती हूं कि यह वर्तमान कंटेस्टेंट्स के साथ अनफेयर नहीं है। हाल ही में शिल्फा गैंग्स ऑफ फिल्मिस्तान शो में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने सुनील ग्रोवर, सुगंधा मिश्रा, उपासना सिंह, संकेत भोसले और अन्य कॉमेडियन्स के साथ काम किया था। हालांकि, बाद में शिल्पा ने क्रिएटिव डिफ्रेंस होने की वजह से शो से खुद बाहर हो गई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि मेकर्स ने शो में उन्हें साइडलाइन कर दिया और सुनील ग्रोवर को ज्यादा इम्पॉर्टेंस दे रहे हैं।

"भौमिक पटेल का नया एल्बम झूमते झूमते"

मुंबई अंधेरी वेस्ट में अथ एंटरटेनमेंट के कार्यालय में दशहरे के पावन पर्व पर प्रसिद्ध गुजराती गायक भौमिक पटेल का गरबा गीतों का एक नया एल्बम "झूमते झूमते" प्रसिद्ध अभिनेता सुरेंद्र पाल, सुनील पाल, पंकज बेरी, राजू टांक रमाकांत मुंडे और अभिनेत्री पीहू चौहान के हाथो रिलीज हुआ. इस अवसर पर अजय गोसालिया, गौरी वानखेडे, स्वेता सोळंकी, बॉबी वत्स, रवींद्र अरोरा पीआरओ पुनीत खरे और महेश त्रिवेदी उपस्थित थे. भौमिक पटेल के साथ "झूमते झूमते" में लिपिका नाग ने भी स्वर दिया है. संगीत मीत सोनी और कंपोजीशन और गीत अर्जुन अर्ज़ के हैं. इस वीडियो को निर्देशन गौरव आनंद ने किया है. इस मौके पर बोलते हुए प्रसिद्ध अभिनेता और महाभारत के द्रोणाचार्य सुरेंद्र पाल ने कहा की भौमिक की आवाज में एक नयापन है और सबसे अच्छी बात यह है कि उनकी आवाज किसी भी सिंगर से मिलती नहीं है. वही कॉमेडियन सुनील पाल ने भौमिक को भविष्य का गरबा किंग बताया. अभिनेता पंकज बेरी ने भी भौमिक के सारे गीत सुने और उन्हें शुभकामनाएं दी.

गरबा गीतों से सजा यह नया एल्बम "झूमते झूमते" में एक नयापन है जो श्रोताओं को जरूर पसंद आएगा. इस अवसर पर एक्टर सिंगर राजू टांग ने सभी आए हुए लोगों को धन्यवाद दिया.

Mirzapur 2: सीरीज के मेकर्स ने उपन्यासकार सुरेंद्र मोहन पाठक से मांगी माफी

वेब सीरीज मिर्जापुर 2 के मेकर्स ने उपन्यासकार सुरेंद्र मोहन पाठक के उपन्यास 'धब्बा' को एक सीन में दिखाने के लिए उनसे माफी मांगी है। हाल ही में सुरेंद्र ने सीरीज के सीन में उनके उपन्यास को दिखाने पर आपत्ति जाहिर की थी। इसके साथ ही उन्होंने मिर्जापुर 2 के मेकर्स को नोटिस भी भेजा था।

उन्होंने कहा था कि मेकर्स ने उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है।

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के ट्विटर हैंडल पर एक लेटर शेयर पोस्ट शेयर किया गया, जिसमें लिखा है, 'प्रिय सुरेंद्र मोहन पाठक, यह आपके द्वारा भेजे गए नोटिस से हमारे संज्ञान में आया है कि हाल ही में रिलीज वेब सीरीज मिर्जापुर 2 में एक सीन है, जिसमें सत्यानंद त्रिपाठी नाम का किरदार 'धब्बा' उपन्यास को पढ़ रहा है, जिसे आपने लिखा है। इसके साथ ही उस सीन में उपयोग हुए वॉयसओवर से आपकी और आपके प्रशंसकों की भावनाएं आहत हुई हैं।'

'हम इसके लिए आपसे माफी मांगते हैं और आपको बताना चाहते हैं कि यह किसी भी तरह से आपकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने या नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं किया गया था। हम जानते हैं कि आप ख्यातिप्राप्त लेखक हैं और आपका काम हिंदी क्राइम फिक्शन साहित्य की दुनिया में बहुत महत्व रखता है।' पोस्ट में आगे लिखा है, 'हम आपको सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इसे सुधार लिया जाएगा। हम तीन हफ्ते के भीतर उस सीन में बुक कवर को ब्लर कर देंगे या वॉइसओवर को हटा देंगे। प्लीज अनजाने में आपकी भावनाओं को आहत करने के लिए हमारी माफी को स्वीकार करें।'

बताते चलें कि सुरेंद्र मोहन पाठक ने मिर्जापुर 2 के मेकर्स नोटिस भेजते हुए आरोप लगाया था कि सीरीज ने उनकी छवि खराब करने की कोशिश की है। मिर्जापुर के एक सीन में उनके लिखे उपन्यास 'धब्बा' के कंटेंट को गलत तरीके से पेश किया गया है। उनके द्वारा भेजे गए नोटिस में कहा गया, "मिर्जापुर 2 के एक सीन में किरदार सत्यानंद त्रिपाठी हिंदी का जो उपन्यास पढ़ रहे हैं 'धब्बा' वह उनका है, जो 2010 में प्रकाशित हुआ था। लेकिन इस पात्र ने जो कुछ भी कहा है वह उनके लिखे उपन्यास 'धब्बा' में है ही नहीं। संवाद के तौर पर जो कुछ भी उस पात्र ने बोला है वह सिवाय पॉर्न के और कुछ नहीं हो सकता।'

संजय दत्त ने कैंसर को मात देने के बाद बदला अपना लूक

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त अपने बालों के साथ अक्सर एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं। अब उन्होंने एक बार फिर अपनी हेयर स्टाइल चेंज की है जिसमें वह काफी कूल नजर आ रहे हैं। संजय दत्त के बदले हुए लुक की फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। संजय दत्त के फैन्स को उनका नया लुक पसंद आ रहा है। दरअसल, संजय दत्त के हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बदला हुआ लुक नजर आ रहा है। फोटोज में दिख रहा है कि संजय दत्त ने अपने बालों को प्लैटिनम ब्लोंड कलर कराया है, जो उन पर काफी सूट कर रहा है। ब्लू टी-शर्ट और चश्मा पहने हुए संजय दत्त अलग-अलग पोज में नजर आ रहे हैं। बताते चलें कि संजय दत्त ने हाल ही में कैंसर को मात दी है। उन्होंने यह जानकारी फैन्स को देते हुए एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की थी जिसमें उन्होंने लिखा था, 'पिछले कुछ हफ्ते मेरे और परिवार के लिए बहुत कठिन थे। लेकिन जैसा कहा भी जाता है, भगवान कठिन लड़ाई लड़ने के लिए सबसे मजबूत सैनिक को ही चुनते हैं। और आज, मेरे बच्चों के जन्मदिन के मौके पर, मैं इस जंग को जीतकर वापस लौटा हूं। परिवार के लिए यह सबसे अच्छा तोहफा है।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 'गोगी' को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

पॉप्युलर सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में गोगी का रोल करने वाले समय शाह को जान से मारने की धमकी दी गई है। यह जानकारी उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर फैन्स को दी है। समय ने बताया कि कोई उनकी बिल्डिंग परिसर में घुस आया था और उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। समय की मां ने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी समय के साथ ऐसी घटना हो चुकी है। यह घटना समय के बोरीवली स्थित घर के बाहर 27 अक्टूबर को हुई है। समय ने इंस्टा स्टोरी पर सीसीटीवी फुटेज की एक फोटो शेयर की है जिसमें एक शख्स नजर आ रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'यह आदमी मेरी बिल्डिंग में दो दिन पहले आया था और मुझे बिना किसी वजह के गालियां देने लगा। मुझे नहीं पता कि वह कौन है? उसने मुझे धमकी दी कि वह मुझे मार देगा। मैं यह जानकारी उन सभी को दे रहा हूं जो मुझसे प्यार करते हैं क्योंकि मुझे लगता है कि अगर कुछ होता है तो यह मेरे और परिवार के लिए बेहतर होगा। धन्यवाद।' स्पॉटबॉय से बातचीत में समय ने कहा, 'मैं और मेरा पूरा बहुत तनाव में हैं और इसलिए हमने कानूनी मदद लेने का फैसला किया जिसके बाद हमने आज दोपहर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उनकी मां ने बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'यह पहली बार नहीं था, पिछले 15 दिनों में यह तीसरी बार हुआ है। हम पहली मंजिल पर रहते हैं और हमारे घर के सामने एक मेन रोड है। जब मैं खिड़की के पास थी तो मैंने देखा कि एक आदमी हमारे घर के सामने से रिक्शा पर बैठकर गुजर रहा था और चिल्ला-चिल्लाकर समय को गालियां दे रहा था।' 'मैं उसका चेहरा नहीं देख पाई। इसके बाद एक बार फिर वह लड़का हमारी बिल्डिंग परिसर में घुस आया और बेटे को जान से मारने की धमकी देने लगा। हम उसके पास गए और पूछा कि उसे समय से क्या प्रॉब्लम है, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बजाय वह गंदी भाषा में बात करने लगा। और यह तीसरी बार हुआ जब उसने समय पर हमला किया है।' समय की मां कहा, 'मै बता भी नहीं सकती कि मैं इस पूरी घटना से कितनी परेशान हूं। मुझे उसे अकेले शूट पर भेजने पर डर रहा है क्योंकि मुझे लगता है कि वह उसका पीछा कर रहा होगा। कल हमने सीसीटीवी फुटेज देखा तो मैं चौंक गई क्योंकि वह अकेला नहीं था बिल्डिंग के गेट के बाहर 5 से ज्यादा लोग खड़े थे। मुझे उम्मीद है कि पुलिस उन्हें जल्द से जल्द उन्हें पकड़ लेगी।'

'हीरोपंती 2' में टाइगर श्रॉफ के साथ रोमांस करती नजर आएंगी तारा सुतारिया

कई अटकलों के बाद हीरोपंती 2 के निर्माताओं ने आखिरकार तारा सुतारिया को सफल एक्शन फ्रैंचाइजी की दूसरी किस्त में टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी फीमेल लीड के रूप में घोषित कर दिया है। तारा सुतारिया और टाइगर श्रॉफ दो साल बाद एक बार फिर स्क्रीन स्पेस शेयर करते हुए नजर आएंगे। इस साल की शुरुआत में, निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने हीरोपंती 2 की घोषणा की थी और एक्शन फ्रैंचाइजी की दूसरी किस्त के साथ, निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने स्केल, एक्शन और अन्य सभी पहलुओं के मामले में इस फ्रैंचाइजी को अगले स्तर पर ले जाने की योजना बनाई है।

'हीरोपंती 2' का निर्देशन अहमद खान करेंगे जिन्होंने इससे पहले बागी फ्रैंचाइज़ी से बागी 2 और बागी 3 का निर्देशन किया है।

'हीरोपंती' की पहली किस्त ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था जिसमें टाइगर की परफॉर्मेंस फिल्म का मुख्य आकर्षण रही है। फैन्स द्वारा तारा और टाइगर की केमिस्ट्री को भी बहुत पसंद किया गया है।

टाइगर श्रॉफ लास्ट फिल्म बागी 3 में नजर आए थे। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इससे पहले साल 2019 में टाइगर की फिल्म वॉर रिलीज हुई थी, जो उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से अधिक का कारोबार किया था। वॉर में टाइगर और ऋतिक रोशन ने पहली बार साथ काम किया था। वहीं तारा सुतारिया लास्ट फिल्म मरजावां में नजर आई थीं। फिल्म में तारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में नजर आए थे।

काजल अग्रवाल ने शेयर की शादी से पहले की तस्वीर, लिखा- तूफान से पहले की शांति

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल आज यानी 30 अक्टूबर को गौतम किचलू के साथ मुंबई में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी करने जा रही हैं। काजल शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। हल्दी सेरेमनी की तस्वीरों के बाद अब काजल ने शादी के पहले की तस्वीर शेयर की है। यह उनका 'हाफ ब्राइडल लुक' है। फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है, "तूफान से पहले की शांति"। इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपना ब्लैक एंड वाइट फोटो शेयर किया है। इस 'हाफ ब्राइडल लुक' में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फोटो में काजल ने हाथ में चूड़ा पहना है। पीछे काजल का लहंगा भी नजर आ रहा है। इस खूबसूरत फोटो को देखकर अब उनके दोस्त और फैन्स उनके फुल ब्राइडल लुक देखने के लिए बेताब हैं। फोटो देखकर सोनू सूद भी कॉमेंट किए बगैर नहीं रह पाए। उन्होंने लिखा, "बहुत बधाई दोस्त, मेरी पार्टी अभी बाकी है"। काजल की दोस्त लक्ष्मी मंचू ने लिखा है, "आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं"। स्वप्निल शिंदे ने लिखा है, "आपको पूरा तैयार देखने का हमे बेसब्री से इंतजार है"। इसके साथ ही फैन्स भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, "वाह! आप बेहद सुंदर लग रही हैं"। एक अन्य फैन ने लिखा कि वह उनकी शादी की फोटोज देखने के लिए बेताब हैं। बता दें, इससे पहले सोशल मीडिया पर काजल की कुछ फोटोज सामने आई थी, जिसमें वह दोस्तों के साथ पयजामा पार्टी करते नजर आ रही थी। काजल ने मरून बाथिंग सूट पहन रखा था और उनकी फ्रेंड्स नाइट सूट में नजर आ रही थी। ऐसा लग रहा है था जैसे यह तस्वीरें उनकी प्री-वेडिंग सेरेमनी से पहली की हैं क्योंकि उनके हाथों में मेहंदी नहीं दिख रही थी।

व्यास पीठ पर मोरारी बापू द्वारा भावनर्तन का आह्लाद

मानस जगदंबा

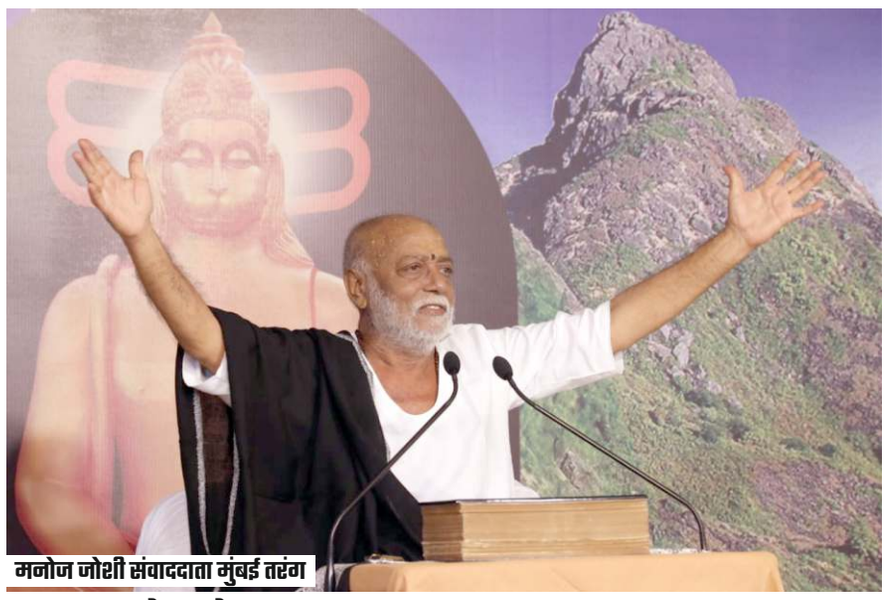

मनोज जोशी संवाददाता मुंबई तरंग

गतांक से आगे

तुलसीदासजी रचित कवितावली के आधार पर बापू ने कहा कि
रचत बिरंचि, हरि पालत, हरत हर
तेरे हीं प्रसाद अग- जग- पालिके।
तोहिमें बिकास बिस्व, तोहिमें बिलास सब, तो ही में समात, मातु भूमिधर बालिके।।दीजे अवलंब जगदंब! न विलंब कीजै, करुनातरंगगिनी कृपा - तरंग- मालिके।रोष महामारी, परितोष महतारी दुनी
देखिए दुखारी , मुनि- मानस- मरालिके।।
निपट बसेरे अध औगुन घनेरे, नर- नारीऊ अनेरे जगदंब! चेरी-चेरे हैं।
दारिद-दुखारी देबि भूसुर भिखारी -भीरु लोब मोह काम कोह कलि मल घेरे हैं।।

परमात्मा रोष करे, तो महामारी और परितोष करे तो महतारी। तुझ में ही विलास, तुझ में ही विकास- सब कुछ तुझसे ही निकले और तुझ में ही समा जाए।

मुनियों के मानस की हंसिनी मां जगदंबा है।

भगवान शंकराचार्य एक बार अपने शिष्यों के साथ वैष्णो देवी की यात्रा पर निकले। बीच रास्ते में ही भारी बारिश होती है। शंकराचार्यजी की तबीयत नादुरस्त है।आस पास में कोई गांव भी नहीं है। पंद्रह दिन तक अन्न का एक दाना भी नहीं मिला है। इतने में, बारिश थोड़ी कम होती है, और एक ग्वालन गोरस लेकर वहां से निकलती है। शंकराचार्यजी उस ग्वालिन के पास से भीक्षा लेने अपने शिष्यों को कहते है। ग्वालन शिष्यों से कहती है कि 'जिन को भिक्षा चाहिए वह खुद आकर ले जाए।' तब शंकराचार्यजी कहलवाते है कि वह खुद तो एक कदम भी नहीं चल सकते। भिक्षा लेने कैसे आए?

उस वक्त ग्वालन कहती है -
"आप तो एकेश्वरवादी है।आपने कभी शक्ति की उपासना नहीं की।अद्वैत की बात की है और शक्ति के महत्व की उपेक्षा की है।अगर शक्ति की आराधना की होती, तो आज आप की यह हालत नहीं होती।

यह सुनकर उसी समय जगत्गुरु शंकराचार्य छोटे बालक की तरह घुटने से चलते हुए ग्वालन के पास जाते है।तब वहां अष्टभुजा धारी माता जगदंबा प्रकट होती है।उसके बाद भगवान शंकराचार्य ने शक्ति तत्व का महिमामंडन किया और शक्ति पीठ की स्थापना की है।

बापू ने कहा कि शक्ति की उपासना के बिना कोई रह ही नहीं सकता। अगर कोई मां को पुकारे, तो वह अवश्य आएगी। पहले कसौटी करेगी, लेकिन फिर आएगी जरुर।

बापू ने भावपूर्ण स्वर में कहा कि -
महामोहु महिषेसु बिसाला।
रामकथा कालिका कराला।।

"मेरी माला ही मेरी महाकाली है। मेरा राम कोटि-कोटि दुर्गा है। सद्गुण रूपी देवताओं को जन्म देने वाली रामायण मा जगदंबा है।"

गुरु गोरखनाथ जी ने कहा है कि -
"जब एक निष्ठा से, एक ही इष्ट में अपना चित्त लगा रहता है, तब हमारा प्रारब्ध खत्म हो जाता है। स्वयं परमात्मा ही हमारा प्रारब्ध बन जाता है।"

गुरु विश्वामित्र के साथ राम - लक्ष्मण, महाराजा जनक की नगरी में, सुंदर सदन में निवास करते है। नगर दर्शन करके फिर पूष्प वाटिका में प्रभु जाते है। तब जानकी से मिलन होता है। राम के दर्शन में डूबी हुई जानकी को सखियां सदन में वापस लौटने को कहती है। तब जानकी के कदम सदन की ओर जा रहे हैं और नेत्र रामजी को देखने में लगे हैं। बापू ने कहा कि- "संसार में चलना पड़ता है इसलिए चलो, लेकिन अपनी दृष्टि केवल काम पर रखो।"

एक जिज्ञासा के संदर्भ में बापू ने कहा कि "शिक्षा में विचारों की प्रधानता होती है।परीक्षा देनी होती है, इसलिए जो शुभ है वह शिक्षा में से प्राप्त कर लेना। लेकिन दिक्षा में विचार के सारे द्वार बंद हो जाते हैं। संपूर्ण समर्पण ही दिक्षा है। इससे भी आगे चलकर बापू तो यह कहते हैं कि दीक्षा देना नहीं दिशा दिखाना ज्यादा अच्छा है।

सीता स्वयंवर, धनुष भंग, परशुराम का आगमन और विदाई, सीताराम जी का विवाह, लक्ष्मन, भरत और शत्रुघ्न के विवाह भी उर्मिला, मांडवी और श्रुत्कीर्ति के साथ संपन्न हुए और सब अयोध्या में वापस लौटे। इन सारी घटनाओं का संक्षेप दर्शन करवाते हुए, पूज्य बापू ने बाल कांड पूर्ण करके आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

(आठवा दिन)

रामकथा के आज के आठवें दिन के प्रारंभ में पूज्य बापू ने कहा कि
वह कमंडल कुंड पर कथा गान कर रहे है, लेकिन ऐसा महसूस करते है, जैसे कभी मां अंबाजी के सानिध्य में, कभी गुरु गोरखनाथ के सामने, तो कभी गोमुख पर कथा कर रहे है!

अध्यात्म में कहना कम होता है, महसूस ज्यादा होता है।

हमारी धर्म परंपरा में कई रात्री का दर्शन है- जैसे कि नवरात्री, शिवरात्री, मोहरात्री - जिसको बापू रास रात्री- शरद रात्री- कहते है। सभी रात्रीयों की महिमा है। रामायण में एक कालरात्री भी है। लेकिन राम कथा अहोरात्री है। तलगाजरडी अवलोकन के अनुसार देखें, तो रामकथा किसी भी महिने में, किसी भी तिथि पर, किसी भी समय पर अहोरात्री है। कथा का गायन और श्रवण अस्तित्व के प्रति अहोभाव प्रकट करने का अवसर है।

भजनानंदी साधकों के लिए शिवरात्रि, नवरात्रि, अहोरात्री होती है। लेकिन वहां कभी कालरात्रि या मोहरात्री का प्रवेश नहीं होता। साधक के पास तो होते हैं- केवल कृतज्ञता, अहोभाव, सुमिरन और अश्रु!

मिथिला में पूष्प वाटिका है, जबकि लंका में अशोक वाटिका है। पूष्प वाटिका विदेह नगर में है, और अशोक वाटिका देह नगर में है। अशोक वाटिका में काम है, जबकि पूष्प वाटिका में राम है।

बालकांड के अंत में जब चारों भाई ब्याह करके अयोध्या में आते है, तब रात्री होते ही, दशरथजी तीनों रानियों को चारों पुत्रवधूओं को आराम के लिए ले जाने को कहते है।

भूप बचन सुनि सहज सुहाए।
जरित कनक मनि पलंग डसाए।।

माता कौशल्याजी जानकी को, सुमित्राजी उर्मिला और श्रूतकीर्ति को, और कैकयी मांडवी को अपनी शैय्या पर ले गये। इस प्रसंग में तुलसीदासजी ने लिखा है कि
"सुंदर बधुन्ह सास लै सोई।
फनिकन्ह जनु सिरमनि उर गोइ।"

बापू ने कहा कि तुलसी यहां सास को सर्प की उपमा देते है। सर्प माने शेषनाग- जिसका मालिक शिवजी है। विश्वमंगल के लिए जो विषपान कर सकते है, उसका आश्रित कभी किसी को डस नहीं सकता!

फनिधर सर्प के पास मनि होता है। मनि की रक्षा के लिए सर्प फन रखता है, डसने के लिए नहीं।

यहां तीनों सास, चारों बधुओंको मनि की तरह संभाल कर रखती है।

संघर्ष के समय पर जो धैर्य रख सकें, वह नारी देह होते हुए भी उसमें पुरुषत्व है। तीनों माताओं में धैर्य, शौर्य और सामर्थ्य है-यह दर्शाने के लिए तुलसीदासजी ने यहां माताओं को सांप की उपमा दी है।

एक और बात यह है कि सांप ज्यादातर बाहर दिखते नहीं, अपने बिल में चले जाते है। सास को भी बहु- बेटे को तकलीफ न हो, इस तरह से निवृत्त हो जाना चाहिए।

कौशल्यादि रानियों का स्वभाव डसने का नहीं है, दुलार करने का है! उन्होंने पुत्रवधूओं को मनि के रूप में हृदय में स्थापित की है। सर्प नहीं बल्कि सर्पिनी ज्यादा विषैल होती है। सर्पिनी-वृत्ति वाले की बानी विषाक्त होती है। कोप भवन में रानी कैकयी सर्पिनी की भाषा बोलती है, जिससे दशरथ जी की मृत्यु हो जाती है। मानस में सूर्पनखा को भी सर्पिनी कही है। लेकिन उसके सामने ठाकुर जी का रूप ही ऐसा है कि सूर्पनखा के जहरीले दांत निकाल लेते है।

बापू ने मार्मिक बात कहते हुए कहा कि

"भूल भले ही करो, पर होशियारी मत दिखाओ। अगर भूल करोगे, तो श्रेष्ठ माफ भी कर देंगे। लेकिन श्रेष्ठ के सामने कभी होशियारी मत करना।"

वाल्मीकिजी शबरी को चारुभाषिनी कहते है। शबरी इतनी मधुरता से बात करती है कि भगवान राम उसे अपने निकट बिठाते है। गुरु के पास बैठना ख-खो का खेल नहीं है। गुरु तो
वटवृक्ष है, जिसके नीचे कोई भी बैठ सकता है।

बापू ने कहा कि कभी-कभी परिवार में पुरुष भी सर्पिणी का काम करता है।हनुमान जी 'बुद्धिमतां वरिष्ठम्' है। कब, किसके सामने, क्या बोलना - इस बात का हनुमान जी में विवेक है।हम तो थोड़ा कुछ जान लेते है, फिर बहुत ज्यादा बोलने लगते है! यह हमारी अल्पता है। समय, स्थान और पात्र देख कर बोलना चाहिए।

अशोक वाटिका में मां जानकी के पास पहुंचे हनुमानजी संस्कृत भी बोल सकते थे। लेकिन उन्होंने सोचा कि अगर वह संस्कृत में बात करेंगे, तो मां को शक होगा। क्योंकि रावण संस्कृत का बड़ा पंडित था। इसलिए हनुमानजी अयोध्या की लोक भाषा में माता से संवाद करते है। मिथिला के महात्मा तो यहां तक कहते है, कि हनुमानजीने मिथिला - बिहारी- भाषा में जानकी जी से संवाद किया था।

गुरु मदारी है- मदनारि है। ऐसे सुर बहाते है, कि हम को सचेत कर दे।

रामकथा दिपावली नहीं, अहोरात्री है।दिवाली पर तो रात को ही दीप प्रगट होता है, जब कि रामकथा में दोपहर में भी दिए जलते हैं और चंद्रमा का उदय होता है!

सतत दूसरों का शुभ करे, सबका मंगल करे, वह शंभु है। परम कल्याण करने वाले भगवान शंकर का अर्धांग जगदंबा है, जो शंकर के अंक में नहीं अंग में विराजमान है।

भगवान कृष्ण ने गीता में नारी को अपनी विभूति बताया है।

कीर्ति, श्री, वाक् च नारीणाम मेधा, स्मति, धृति, क्षमा।

सामान्य स्त्री में भी इनमें से कोई एक या एक से ज्यादा लक्षण होते है।जगदंबा वह है, जिनमें यह सातों विभूति तत्व समाये हुए हैं।

कथा के क्रम में पूज्य बापू ने अयोध्याकांड अरण्यकांड और किष्किंधा कांड का दर्शन करवाया।और सुंदरकांडमें श्री हनुमानजी को लंका में प्रवेश करवा के आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

(नौवा दिन)

साधना संपन्न पर्वतराज गिरनार और उस पर के सभी तीर्थ स्थानों की सन्निधि में ,भगवान गुरुदत्त के चरणों में स्थित कमंडल कुंड पर से, बापू ने आज नव दिवसीय रामकथा को विराम दिया।

सुंदरकांड के वर्णन में बापू ने कहा कि
"साधक जब राम-कार्य के लिए निकलता है, तब उसकी साधना में अनेक विघ्न आते हैं। भरत जी भी जब राम- दर्शन के लिए चित्रकूट की यात्रा आरंभ करते है, तब उसको भी बहुत सारे विघ्नों का सामना करना पड़ता है।राम-यात्रा में विघ्न आते ही है। हम उसको मिटा नहीं सकते। कसोटी तो आती ही रहेगी।

प्रभु भजन में जब साधक आगे बढ़ेगा, तब लोकमंगल के लिए उसे अपना व्रत छोड़ना पड़ता है- यह पहला विघ्न है। दूसरा- समाज हमारे लिए गलत धारणाएं कर लेता है। तीसरा - साधु समाज द्वारा भी गैर समझ होती है।चौथा - दैवी आपत्ति आती है।पांचवा और सबसे बड़ा विघ्न यह है कि अपने परिवार का कोई सदस्य ही साधक का विरोध करता है!

बहुत ही निकट रहनेवाली व्यक्ति जब आप का विरोध करे, तब समझ लेना कि अब चित्रकूट पास में है!

अपनी कोई व्यक्ति जब विरोध करती है, तब साधना में टिके रहना मुश्किल है- उस वक्त साधक के पतन का भय रहता है।

हनुमान जी जैसे भजनानंदी पुरुष को भी अगर भक्ति की यात्रा में इतने विघ्न आते हैं, तो हमें तो आएगा ही। भक्ति की यात्रा में विघ्न आए, तब समझना कि अस्तित्व हमको प्रमाण पत्र दे रहा है।

साधक को अपने ही परेशान करते है। तुकाराम को उसकी बीवी ने, नरसिंह मेहता को बड़े भाई ने, प्रहलाद को पिता ने, ध्रुव को सोंतेली माता ने परेशान किया था।

कुल में अगर एक साधु पुरुष प्रगट होता है, तब पूरा परिवार चित्रकूट को पा जाता है!

विषयी जीव को जब प्रभुता प्राप्त होती है, तब अहंकार आ जाता है। क्योंकि उसने सपने में भी साधु-संग नहीं किया है।

सुंदरकांड के वर्णन में बापू ने कहा कि जानकीजी, हनुमानजी को अजर-अमर और गुणनिधि बनने का आशीर्वाद देती है, तब हनुमानजी खुश नहीं होते। लेकिन जब जानकीजी उसे 'राम-प्रिय' बनने का वरदान देती है, तब हनुमानजी बहुत ही राजी होते है। राम कार्य करने वाला साधु मां के आशीर्वाद प्राप्त कर ले, फिर समाज उसका और कुछ नहीं बिगाड़ सकता। लेकिन उसकी प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने का प्रयास करता है- उसका चरित्र हनन करता है! बिना सत्य जाने ही लोग अफवाह फैलाते रहते है।लेकिन साधक तो प्रभु भजन भजन में लीन रहता है। विघ्नसंतोषी लोग साधु पुरुष की प्रतिष्ठा को हानी पहुंचाने की कोशिश करते है। नेटवर्क बनाकर जो लोग साधु की प्रतिष्ठा जलाने का प्रयास करता है, उसकी गलत धारणाएं पहले जल जाती है! और साधु पुरुष अग्नि परीक्षा में से पार हो जाता है।

बापू ने कहा कि त्रेता युग में पांच पांडव थे। और सामने १०० कौरव थे।आज कलयुग में- जिसका भजन निरंतर होगा-उस के साथ ९५ पांडव होगे, जबकि सामने केवल ५ ही कौरव होगे!

रावण विभीषण का त्याग करता है, इस प्रसंग के संदर्भ में बापू ने कहा कि
"हम विकार को छोड़ते है, तो फिर वापस पकड़ लेते है।लेकिन प्रभु कृपा से अगर विकार ही हमें छोड़ दें, तो हम विकार को छोड़ संस्कार के पास पहुंच जाते है।

सुंदरकांड के बाद लंका कांड और उत्तर कांड का संक्षेप में दर्शन करते हुए बापू ने गिरनार परसे 'मानस जगदंबा' को विराम देने से पहले बताया कि "रामचरितमानस खुद ही जगदंबा है।"

जगदंबा का प्रागट्य हिमालय में हुआ है। रामकथा भी हिमालय के कैलास से - भगवान शंकर के मुख से- प्रगट हुई है। मां काली के रूप में जगदंबा महिषासुरमर्दिनि है। रामकथा भी मोहरूपी राक्षस का मर्दन करने वाली है। शिवजी नित्य राम कथा का गान करते रहते है।जगदंबा शिव को प्रिय है, ऐसे ही रामकथा भी प्रिय है।

नवरात्र में जगदंबा गरबा के रुप में प्रगट होती है। रामकथा भी, हमारे जीवन में आज तक जो नहीं आया ऐसा उजास प्रगटाती है, फिर वही उजास हमारा पालन करता है और जो अनावश्यक है, उसको मिटा देता है।

गरबे में छिद्र होते हैं। रामकथा में भी छिद्र है- द्वार है जहां से भीतर का उजाला - विश्व मंगल के लिए- बाहर प्रसारित होता है।

परमात्मा रूपी ज्योति को मानस रूपी गरबा विश्व में प्रकाशित करता है।

जगदंबा की कृपासे, सिद्ध क्षेत्र गिरनार और दिव्य चेतना की सन्निधि में पूज्य बापू ने आज नव में दिन "मानस जगदंबा" को विश्राम दिया।और कथा का सुफल अवधूत गिरनार पर स्थित सभी प्रगट प्रगट चेतनाओं को अर्पण किया।

समाप्त

सामाजिक संस्था 'मीडिया एवंम पुलिस पब्लिक सहयोगी संगठन' द्वारा अभिनेता रंगशाही सूरत में सम्मानित

सूरत।लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर सामाजिक संस्था 'मीडिया एवंम पुलिस पब्लिक सहयोगी संगठन' द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन संस्था के डिंडोली (सूरत) में स्थित ऑफिस में ३१ अक्टूबर २०२० को किया गया था और बड़े धूमधाम से सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती मनाया गया। इस कार्यक्रम में बहुमुखी प्रतिभाशाली फिल्म अभिनेता रंगशाही को संस्था के गुजरात राज्य अध्यक्ष दिलीपभाई एन पटेल द्वारा मनोरंजन के झेत्र में किये गये सराहनीय कार्यो के लिए ट्रॉफी और सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के गुजरात राज्य के उपाध्यक्ष एच एम पटेल, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षद मकवाना,खजांची ललित जैन, ट्रस्टी केतनभाई चुनावाला,दिनेश वाढेर व संस्था के पदाधिकारी व सदस्य इत्यादि लोगों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बधाई। रंगशाही इंदौर (मध्यप्रदेश) के रहनेवाले है। मशहूर निर्देशक अनिल शर्मा के भाई अनुज शर्मा ने अपनी फिल्म,' इश्क़ जुनून- दी हीट इस ऑन' में दो हीरो लिया था,जिसमें से एक हीरो रंगशाही थे। यह फिल्म काफी सफल रही और निर्माता को रंगशाही का काम काफी पसंद आया। जिसके कारण निर्माता अनुज शर्मा ने अपने बैनर 'शांतकेतन एंटरटेनमेंट' के तले बन रही आगामी फिल्म के लिए बहुमुखी प्रतिभाशाली एक्टर रंगशाही को बतौर एक मुख्य नायक के तौर पर साइन किया है। इसके अलावा रंगशाही ने कई विज्ञापन फिल्मों में भी काम कर चुके है। अभी हाल में एक साउथ की फिल्म भी किया है, जोकि जल्द रिलीज़ होगी। वैसे रंगशाही इंदौर (मध्यप्रदेश) के रहने वाले है और वहां के पूर्व पुलिस डीएसपी अशोक रंगशाही के बेटे है। इस अवसर पर रंगशाही ने संस्था के गुजरात राज्य अध्यक्ष दिलीपभाई एन पटेल को और उनकी संस्था लोगों को धन्यवाद दिया।

पर्वतों की रानी मसूरी पर मोरारी बापू की राम कथा

रामकथा के विश्व प्रसिद्ध और विश्व वंदनिय संत पूज्य मोरारी बापू द्वारा ३१ नवंबर से मसुरी में रामकथा का गान आरंभ हो रहा है। गुजरात के भावनगर जनपद के महुवा तहसिल अंतर्गत तालगाजरडा गांव में निवास करनेवाले इस संत ने अपनी प्रथम राम कथा-१९६० में- १४ साल की उम्र में करी थी। तबसे लेकर आज तक इकसठ साल की कथा यात्रा में यह उनका ८५०वा पड़ाव है। इससे पहेले भी देवभूमि उत्तराखंड में हरिद्वार और ऋषिकेश में तो कई बार बापू की रामकथा आयोजित हो चूकी है। इसके अलावा नैनिताल, अल्मोड़ा, देहरादून, उत्तर काशी, गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ आदि स्थानों में बापू की व्यासपीठ ने रामकथा के हरिनाम संकीर्तन से जनसमुदाय के हृदय में सत्य, प्रेम और करूणा के त्रिवेणी तीर्थ को प्रकट किया है। शरदपूर्णिमा की संध्या से पहाड़ो की रानी मसुरी की रम्य वादीओं में बापू के श्रीमुख से मानस की चौपाइयां गूंज उठेगी। हिमालय की गोद में स्थित रमणीय प्राकृतिक सौंदर्य एवं आध्यात्मिक ऊर्जा वाले उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थान मसूरी की गिरी कंदराओं में अब रामकथा की चौपाइयां गूंजेगी।तलगाजरडी व्यासपीठ पर से ३१ अक्टूबर- शनिवार- शरद पूर्णिमा- जिसको पूज्य बापू' रास-रात्रि' कहते है - की संध्या पर शाम चार बजेसे बापु की ८५०वीं रामकथा का प्रारंभ होगा।कोरोना के संदर्भ में, केंद्र सरकार और उत्तराखंड राज्य सरकार की तमाम मार्गदर्शक सूचनाओं एवं नीति नियमों के परिपालन के साथ- प्रशासन की पूर्व मंजूरी से- श्रोताओं की संख्या निश्चित हो चुकी है। कथा में जिसको प्रत्यक्ष रुप में उपस्थित रहना है, उसको सूचना दे दी गई है। इसके अलावा अन्य कोई श्रावक-भावक के लिए कथा में उपस्थित रहने की इजाजत नहीं है। इसलिए कृपया कोई भी व्यक्ति, किसी के भी पास कथा श्रवण के लिए कोई पृच्छा ना करें ऐसी विनती की गई है। कथा के निमित्त मात्र यजमान श्री मदनलाल पालीवाल की तरफ से कथा के आयोजन को आखिरी तैयारी हो चुकी है। कुल कथाक्रम की ८०० की कथा के निमित्त मात्र यजमान श्री मदनलाल पालीवाल थे। योगानुयोग- ८५०वीं कथा के यजमान बनने का सौभाग्य भी उसी को प्राप्त हुआ है।३१ तारीख शाम ४ बजे से और १ नवम्बर से सुबह ९-३० बजे से आस्था चैनल एवं यूट्यूब के माध्यम से सभी श्रोता कथा श्रवण का लाभ पा सकेंगे। नवरात्रि के पावन पर्व पर पर्वतराज गिरनार के शिखर पर से कथा गान हुआ था। इसकी आध्यात्मिक ऊर्जा से सभर व्यास वाटिका के सारे फ्लावर्स को शरद पूर्णिमा से, पहाड़ों की रानी मसूरी पर से कथा सुनने का अवसर मिलेगा। दीपावली के पूर्व ही कथा के रूप में दिवाली की एडवांस गिफ्ट पूज्य बापू द्वारा श्रोताओं को दे दी गई है। विश्व भर के १७० देश के व्यास- वाटिका के फ्लावर्स उत्सुकता से शरद पूर्णिमा का इंतजार कर रहे हैं।

मनोज जोशी, पत्रकार
महुवा- भावनगर(गुजरात)

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।